www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 67 || लखनऊ
रविवार
07 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 30°00

पेज 07

विशेष समाचार
मिलावट-मुक्त भारत से ही... » पेज 04
संभल में 2 मंजिला मस्जिद... » पेज 06
वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने...

अभिजीत ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा, अगले शनिवार को फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके के साथ मंच पर पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की थी।

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, CPI नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं। 30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक आम आदमी पार्टी (AAP) के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत AAP के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे।

मंत्री के इस्तीफे के लिए 5 दिन की समय सीमा

अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

1000+ पुलिसकर्मी, दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

दिल्ली में जंतर-मंतर के पास पुलिस जवानों का सख्त पहरा था।

अभिजीत 5 घंटे जंतर-मंतर पर रहे, 5 बार स्पीच दी

- *सुबह 7:30 बजे: अभिजीत दीपके सुबह अमेरिका से दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वे डेढ़ घंटे बाद बाहर निकले।*
- *सुबह 9:30 बजे: अभिजीत सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए। हाथ अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी थी।*
- *सुबह 10:00 बजे: अभिजीत जंतर-मंतर पहुंचे। यहां समर्थकों ने स्वागत किया और लोगों से बातचीत की।*
- *सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक: दीपके ने अपने समर्थकों के बीच 5 बार छोटी-छोटी स्पीच दी। इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए गए।*
- *दोपहर 3:30 बजे : दीपके की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। वे सोनम वांगचुक के साथ रवाना हो गए।*

उद्धव ठाकरे बोले- युवाओं को कॉकरोच कहना गलत

- शिवेसना (उद्धव) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा, 'युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी।'
- अखिलेश यादव ने CJP प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- 'गुरूरमंद हुक्मरानों तक पहुंचे ये आवाज, अब नौजवानों ने भी कर दिया है इंकलाब।'
- NCP (SP) के महासचिव रोहित पवार ने कहा, 'CJP मिल रहा समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।'

उद्धव ठाकरे बोले- युवाओं को कॉकरोच कहना गलत

शिवेसना (उद्धव) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे युवाओं के आंदोलन को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि NEET पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी।

अभिजीत के घर पुलिस तैनात, माता-पिता का मीडिया से बातचीत करने से इनकार

पुणे में कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के घर महाराष्ट्र पुलिस तैनात कर दी गई है। सुबह से ही घर के बाहर बैरिकेडिंग की गई थी। पुलिस की गाड़ियां भी घर के बाहर मौजूद थीं। हालांकि दीपके के माता-पिता घर पर हैं या नहीं, इस बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। इससे पहले, दीपके के माता-पिता ने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया था।

वैष्णो देवी जा रही ट्रेन में हादसा

लुधियाना में 2 हिस्सों में बंटी, 1200 यात्री बाल-बाल बचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लुधियाना। लुधियाना रेलवे स्टेशन पर वैष्णो देवी जा रही 1200 यात्रियों से भरी ट्रेन में हादसा हो गया। यहां ट्रेन के स्लीपर कोच का टॉयलेट अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ टूट गया। जिसके बाद यह कोच अपने साथ वाले डिब्बे से अलग हो गया। धमाके जैसी आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। वह डिब्बे से बाहर आ गए। खुशकिस्मती की बात ये रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, ट्रेन लुधियाना से चली ही थी। अगर हाईस्पीड के दौरान यह हादसा होता तो यात्रियों की जान को खतरा हो सकता था। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन आज (शनिवार) तड़के ढाई बजे के बाद नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई। सुबह 8.47 बजे पर यह लुधियाना स्टेशन पर पहुंची।

>> (शेष पेज 06 पर)

लुधियाना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के टूटे डिब्बे की जांच करते अधिकारी।

मैंने यूसुफ पठान को सांसदी छोड़ने नहीं कहा : गांगुली

दावा- बहरामपुर सीट से ममता को लोकसभा भेजने की प्लानिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने आनंद बाजार पत्रिका की खबर का खंडन किया है। इसमें दावा किया गया था कि ममता बनर्जी ने सौरव से कहा है कि वह बहरामपुर से TMC सांसद यूसुफ पठान को सीट से इस्तीफा देने के लिए मनाएं, ताकि वे यहां से उपचुनाव लड़ सकें। गांगुली ने शनिवार को सभी मीडिया हाउस को लेटर जारी कर कहा कि वे बिना सत्यता जाने खबर पब्लिश ना करें। उन्होंने लेटर में लिखा- 4 जून को अखबार में पब्लिश आर्टिकल में दावा किया गया था कि उन्होंने ममता का मैसेज क्रिकेटर से सांसद बने यूसुफ पठान तक पहुंचाया था। पठान से सांसदी छोड़ने को कहा, ताकि ममता बहरामपुर से उपचुनाव लड़ सकें। खबर में यह भी कहा गया था कि यूसुफ इस प्रस्ताव से सहमत नहीं थे। गांगुली ने लिखा, 'ये सभी बातें पूरी तरह गलत हैं। ममता ने मुझे कभी भी यूसुफ तक कोई संदेश पहुंचाने के लिए नहीं कहा। न ही मैंने यूसुफ से इस तरह के किसी मैसेज को लेकर कभी संपर्क किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

राबड़ी देवी और तेजस्वी ने अपनी सुरक्षा लौटाई

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार सुबह अपने आवास से सारी सुरक्षा हटा दी। यहां तक की बंगले के बाहर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को भी लौटा दिया है। इसके बाद रोहिणी ने पार्टी नेताओं से राबड़ी आवास पहुंचने की अपील की। कार्यकर्ताओं का राबड़ी आवास पर जुटना शुरू हो गया है।

'फायरिंग मामले में खान सर सरेंडर नहीं करेंगे'

पटना। ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने बताया, 'खान सर के सरेंडर करने का कोई चांस नहीं है। उन्हें बेल लेने की जरूरत पड़ सकती है। मेरे क्लाइंट की वजह से फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस ने FIR में कुछ भी लिख रखा है। खान सर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि गोली चलाओ में देख लूंगा। जमानत याचिका दायर कर रहे हैं। शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने का वक्त खत्म हो गया था। हम लोग सोमवार को इसे दाखिल करेंगे।

नीट छात्रा ने रेलवे ओवरब्रिज से लगाई छलांग

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में शनिवार सुबह करीब 7-8 बजे बजरंगगढ़ रेलवे ओवरब्रिज से 19 वर्षीय युवती ने छलांग लगा दी। रेलवे पटरी पर खड़े एक रेलवे इंजन के सामने जा गिरी। गंभीर रूप से घायल युवती करीब 30 मिनट तक रेलवे ट्रैक पर तड़पती रही, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने मदद नहीं की।

सीबीएसई 12वीं की वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की अंतिम तारीख बढ़ी

अब स्टूडेंट्स 7 जून तक अप्लाई कर सकेंगे, पोर्टल पर साइबर अटैक मामले में एफआईआर दर्ज

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। CBSE ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। बोर्ड के मुताबिक, यह फैसला छात्रों को ज्यादा समय देने और पोर्टल पर सामने आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए लिया है। CBSE ने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। दूसरी तरफ बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में FIR दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस ने मामले जांच शुरू कर दी है। बोर्ड के अनुसार, 2 जून से शुरू हुए पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर पिछले तीन दिन में लगातार साइबर हमले किए गए, जिन्हें समय रहते रोक दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, 4 जून तक पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल के जरिए कुल 70,433 आवेदन मिले हैं। इनमें 7,314 मार्क्स वेरिफिकेशन और 63,119 री-इवैल्यूएशन के आवेदन शामिल थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

रंग में भंग डाला तो स्वाहा हो जाएंगे : योगी

गोंडा में मंच पर बृजभूषण के बेटे करण भी साथ थे, कहा- सीएम परिवार के मुखिया

- योगी ने कहा- जो लोग गोंडा का नाम सुनकर दूर भागते थे, वो अब गले लगाने आते हैं। उन्हें पता है कि अयोध्या के बगल वाला गोंडा ही है।
- पूजा पाठ के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गायों को हरा चारा खिलाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में सीएम योगी ने कहा- 2017 से पहले गोंडा में भी दंगे हुए। दुर्गा पूजा में बाधा डाली गई। लेकिन, अब कोई दंगाई आंख नहीं उठा सकता।

>> (शेष पेज 06 पर)

"योगी ने कहा- 2017 के पहले जब गलत सरकारें आती थीं तो विकास सिर्फ एक गांव तक सीमित होकर रह गया था। सब कुछ वहीं पर होता था। हमने कहा कि गोंडा, बहराइच, बस्ती और सिद्धार्थनगर में भी मेडिकल कॉलेज बनेगा। कोई जिला नहीं बचा है, जहां मेडिकल कॉलेज का निर्माण न हो रहा हो। श्रावस्ती भगवान बुद्ध की धरती है। वहीं पर एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। महाराज सुहेलदेव हम लोगों के लिए प्रेरणा हैं।"

2017 से पहले सरकारें दंगाईयों के आगे झुकती थीं

योगी ने कहा- मुझे याद है कि 2015-16 में गोंडा में दुर्गा पूजा में दंगा करने का प्रयास किया गया था। यहां दंगे हुए थे। मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जित नहीं करने दी जाती थी। उत्सवों के पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। सत्ता में बैठे लोग इन दंगाइयों को आश्रय देते थे। इनके सामने नतमस्तक होते थे। प्रदेश में कफर्यू रहता था।

कटरा और करनैलगंज विधानसभाओं को मिलीं योजनाएं

इससे पहले, योगी ने बलरामपुर में देवीपाटन मंदिर में पूजा-पाठ किया। गायों को चारा खिलाया। सीएम दो दिन के दौरे पर बलरामपुर और गोंडा आए थे। सीएम ने कटरा बाजार विधानसभा में 19.23 करोड़ रुपये की 16 परियोजनाओं का लोकार्पण और 236.62 करोड़ रुपये की 84 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके बाद करनैलगंज विधानसभा में 64.92 करोड़ रुपये की 32 परियोजनाओं का लोकार्पण और 194.86 करोड़ रुपये की 130 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

अर्लट : एमपी-छत्तीसगढ़ में देर से पहुंचेगा, राजस्थान में आंधी, वेयरहाउस का टीनशेड उड़ा

मानसून महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा, 2 दिन में 7 राज्यों में एंट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/। भारत में तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। देश में मानसून 4 जून को केरलम पहुंचा था। IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है।

25 जून तक पहुंच सकता है मानसून, आज 7 जिलों में बारिश का अलर्ट

पंजाब और चंडीगढ़ में पिछले कुछ दिनों से मौसम बदला हुआ है। आज 7 जिलों में बारिश और 3 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

6 जून:
केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी से बहुत तेज बारिश की संभावना है।
ओडिशा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अनुमान है।
राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान और तेज हवाएं चल सकती हैं।

7 जून:
केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश में बारिश जारी रहने का अनुमान है।
राजस्थान के कई हिस्सों में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।
पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान के साथ बारिश की स्थिति रह सकती है।
ओडिशा, बिहार और झारखंड में आंधी-तूफान और बारिश का असर बना रह सकता है।

अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

लॉन्चिंग के 10 घंटे के अंदर रजिस्ट्रेशन, समर्थन में तमिलनाडु बीजेपी उपाध्यक्ष ने भी इस्तीफा दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। उनका कहना है कि पहले इस आंदोलन को खड़ा किया जाएगा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और बाद में इसे राजनीतिक पार्टी में बदला जाएगा। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई भाजपा नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, 'आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

■ यह कार्रवाई स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज करने के बाद दो घंटे के अंदर बिजली बहाल न करने की लापरवाही पर की गई है।

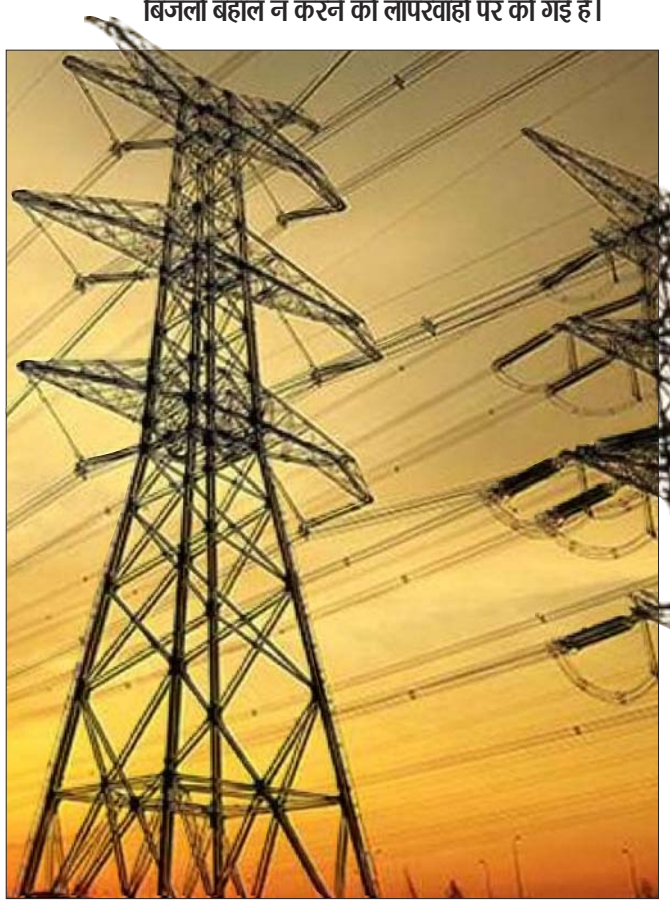

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के हक में फैसला, कई दिन अंधेरे में रखा था, जुर्माने की राशि 15 दिनों के अंदर आयोग में जमा करने के आदेश

यूपी में बिजली विभाग पर 7.18 लाख का जुर्माना

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में बिजली विभाग के लिए स्मार्ट मीटर गले की फांस बन चुका है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (UPERC) ने शुक्रवार को यूपी पावर कॉरपोरेशन (UPPCL) पर 7.18 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की दो सदस्यीय पीठ ने जुर्माने की राशि 15 दिनों के अंदर आयोग में जमा करने के आदेश दिए हैं।

उपभोक्ता परिषद ने इस मामले में UPERC (स्टैंडर्ड ऑफ परफॉर्मेंस) रेगुलेशन 2019 का उल्लंघन बताते हुए आयोग में याचिका दायर की थी। आयोग ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि बिजली विभाग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर उपभोक्ता सेवाओं में गंभीर लापरवाही बरती है। नियम के मुताबिक रिचार्ज के दो घंटे के अंदर बिजली बहाल होनी चाहिए थी, लेकिन बिजली कंपनियां इस मानक पर खरी नहीं उतरीं।

आयोग ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 142 एवं 57 के तहत प्रति उल्लंघन 1 लाख रुपए और प्रतिदिन की देरी पर 6,000 रुपए के हिसाब से कुल 7 लाख 18 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने कहा कि यह स्थिति "रूट कॉज एनालिसिस" की जरूरत को दर्शाती है, ताकि भविष्य में ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। आयोग ने UPPCL के प्रबंध निदेशक से 15 दिनों में विस्तृत जवाब भी तलब किया है।

मार्च-अप्रैल में मचा था हाहाकार

मार्च 2026 में बिजली विभाग ने बिना उपभोक्ताओं की सहमति के लाखों स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड में बदल दिया था। बैलेंस माइनस होते ही एक साथ प्रदेश के करीब 5 लाख घरों की बिजली काट दी गई। उपभोक्ताओं ने मीटर रिचार्ज करा लिया, लेकिन कई घरों में बिजली चालू होने में 15 दिन तक लग गए। इस घटना को लेकर मार्च और अप्रैल में पूरे प्रदेश में भारी आक्रोश और हंगामा हुआ था।

■ ये तस्वीर आगरा की है। एक महीने पहले यहां स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन किया था।

> **बिजली विभाग की मनमानी के चलते 13 मार्च से 10 अप्रैल के बीच 16 दिनों में कुल 40 लाख 27 हजार 307 उपभोक्ताओं की बिजली काट दी गई थी। इनमें से 18 लाख 78 हजार 385 घरों की बिजली रिचार्ज के आधे घंटे के अंदर चालू हो गई।**

फास्ट न्यूज

लखनऊ में पूर्व मेयर पर 10-12 कुत्तों का हमला

लखनऊ। आवारा कुत्तों के हमले में शहर के पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी घायल हो गए हो गए हैं। कुत्तों के एक झुंड ने हमला कर उनके पैर और पीठ में कई जगह काटकर दांत गड़ा दिए हैं। इस मामले की शिकायत उन्होंने नगर निगम में की। नगर निगम ने कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम भेजी है। पूर्व मेयर सुरेश चंद्र अवस्थी अलीगंज इलाके में आने वाले महाकवि जयशंकर प्रसाद वार्ड वार्ड के सेक्टर क्यू चौराहा के पास रहते हैं।

दीवार फांदकर घुसे चोर, पूरा घर खंगाल ले गए

दुबग्गा । काकोरी थाना क्षेत्र के सकरा गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने एक घर का सारा कीमती सामान चुरा लिया। लाखों के गहने पार कर दिए। दीवार फांदकर अंदर घुसे थे, फिर अंदर से गेट खोलकर गहने, कपड़े और मोबाइल फोन चुराकर भाग गए। पीड़ित के घर की अलमारी पास के मैदान में मिली है। पीड़ित मकान मालिक के अनुसार, चोरों ने उनके घर की भरी अलमारी उठा ले गए थे। मैदान में उसका ताला तोड़कर पूरी अलमारी खंगाल ली। इसमें लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और तीन मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। सुबह परिवार के जागने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बिना मास्टर प्लान के है 177 वर्ग किमी क्षेत्र

गोरखपुर । गोरखपुर विकास प्राधिकरण की पुनरीक्षित महायोजना-2031 को लागू हुए 2 साल बीत चुके हैं लेकिन अभी तक विस्तारित क्षेत्र का मास्टर प्लान (महायोजना) नहीं बन सका है। लंबी कवायद के बाद मार्च 2024 में एरिया आफ इंटरेस्ट पर आधारित लगभग 540 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए महायोजना 2031 को कई समस्याओं का निस्तारण किए बिना लागू कर दिया गया लेकिन 177 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आज भी बिना महायोजना के है।

एयरपोर्ट की कर्मचारी की अस्पताल में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत एक महिला की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने कृष्णानगर स्थित निजी अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सरोजनी नगर के बदाली खेड़ा निवासी किरन यादव (30) गुरुवार को अपनी ड्यूटी पर एयरपोर्ट गई थीं। उनके पति जंग बहादुर ने बताया कि रात करीब आठ बजे उन्हें पत्नी के कार्यालय से फोन आया कि किरन की तबीयत खराब हो गई है। सूचना मिलने पर वह एयरपोर्ट पहुंचे और पत्नी को दवा दिलाने के बाद घर ले आए। देर रात किरन की हालत फिर बिगड़ने लगी, जिसके बाद उन्हें कृष्णानगर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने किरन को तीन इंजेक्शन लगाए, जिसके बाद उनकी तबीयत और गंभीर हो गई। उन्हें काफी देर तक अस्पताल प्रशासन से सही जानकारी नहीं मिली।

■ परिजनों का डॉक्टरों पर आरोप- इंजेक्शन लगाने के बाद तबीयत और बिगड़ी

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर भ्रम फैलाने वालों पर कार्रवाई की अपील की

अंबेडकर महासभा के ऐतिहासिक स्थल अस्थि कलश एवं बोधि वृक्ष के संरक्षण की उठी मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा मार्ग स्थित तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा के समक्ष स्थापित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा के ऐतिहासिक एवं श्रद्धा केंद्र स्वरूप स्थल के संरक्षण की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक एवं अंबेडकरवादी संगठनों ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

ज्ञातव्य है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा लगभग 40 वर्षों से स्थापित है। इसके निकट ही विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालय भी लंबे समय से संचालित हैं। महासभा परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अस्थि कलश, बौद्ध स्तूप, बाबा साहब की प्रतिमाएं, धर्मचक्र, विशाल बोधि वृक्ष एवं पुस्तकालय स्थापित हैं। इस परिसर का समय-समय पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश, पूर्व प्रधानमंत्रियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अवलोकन किया जा चुका है तथा यह स्थल देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए आकर्षण एवं श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। सामाजिक संगठनों ने बताया कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी बाबा साहब की जयंती (14 अप्रैल) एवं महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) के अवसर पर अनेक बार महासभा परिसर में आकर श्रद्धासुमन अर्पित कर चुके हैं तथा जनसभाओं को संबोधित भी करते रहे हैं। इससे अंबेडकरवादी समाज एवं बुद्धिजीवी वर्ग में उनके प्रति सम्मान और विश्वास की भावना रही है। मुख्यमंत्री जी से यह अपील करने वालों में राम लोट, डॉ. बी.पी. अशोक, के.के. गौतम, दयाशंकर बौद्ध, डॉ. राजाराम आनंद, प्रो. रामबख्श सिंह वर्मा, साहब सिंह धनगर, भैया जी, भारत सिंह पंकज, इंजीनियर भीमराज, आर.के. गौतम, रामलखन यादव, जीतलाल सैनी, शक्ति कृष्ण त्रिपाठी, दशरथ मौर्य, प्रमोद कुमार, राधेश्याम, सुरेश चंद गौतम, पी.सी. कुरील, लाखन सिंह जाटव, श्रवण कुमार, डॉ. भगवान दास निगम, जनक प्रसाद तथा दिनेश सिंह पटेल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी शामिल रहे।

> **संगठनों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि डॉ. अंबेडकर महासभा परिसर में स्थापित अस्थि कलश, बोधि वृक्ष, प्रतिमाएं, धर्मचक्र एवं पुस्तकालय को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया जाए तथा भ्रम फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही आमजन को पूर्ववत दर्शन एवं अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।**

महासभा परिसर को हटाने संबंधी बयान दिए गए

बताया गया कि 14 अप्रैल 2026 को आयोजित जयंती समारोह के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा महासभा परिसर को हटाने संबंधी बयान दिए गए, जिसके बाद समाज में भ्रम एवं आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विभिन्न संगठनों का कहना है कि यह स्थल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी गरिमा एवं संरचना को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जानी चाहिए।

पीएम सूर्य घर योजना को गति देने के लिए मंत्री ए.के. शर्मा ने की समीक्षा बैठक

सौर ऊर्जा क्रांति में उत्तर प्रदेश को देश में नंबर-1 बनाने का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक शीघ्रता से पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंकों एवं वेंडरों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए योजना के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

सर्किट हाउस सभागार, वाराणसी में आयोजित पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने योजना की प्रगति, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वाराणसी जनपद में कार्यरत वेंडरों से सीधे संवाद कर जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की तथा उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। पात्र आवेदकों से केवल आवश्यक दस्तावेज ही लिए जाएं तथा बिना उचित कारण किसी भी आवेदन को अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने कहा कि आसान वित्तीय सहायता योजना की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

■ शर्मा ने यूपीनेडा द्वारा अप्रैल एवं मई माह में सौर ऊर्जा स्थापना के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष श्रेणी में स्थान प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय वेंडरों, उपभोक्ताओं, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों को देते हुए सभी को बधाई दी।

मीटरों का कॉन्फिगरेशन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए

मंत्री शर्मा ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि प्री-कॉन्फिगर्ड मीटरों की स्थापना में तेजी लाई जाए तथा पहले से स्थापित मीटरों का कॉन्फिगरेशन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब योजना की गति को प्रभावित करता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर श्रमिक जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर '12 साल विश्वास के, विकास के, जन-कल्याण के' अभियान के अंतर्गत 05 जून से 21 जून 2026 के मध्य प्रदेश में समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ब्लॉक-मलिहाबाद में उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार, श्रमिक पंजीयन, पात्र श्रमिकों के योजनाओं में आवेदन हेतु ब्लॉक स्तर पर स्टॉल/कैंप का आयोजन किया गया। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि श्रमिक पंजीयन एवं योजना प्रचार प्रसार हेतु लेबर अड्डा-तेलीबाग, लखनऊ में प्रातः उपस्थित होकर श्रमिकों को उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण, नवीनीकरण एवं बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। असंगठित क्षेत्र के पात्र श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (PM-SYM) तथा लघु-व्यापारी मानधन योजना (NPS-Trader) आदि हेतु जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक सुरक्षा पर कार्यशाला कारखाना प्रभाग के अधिकारियों द्वारा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 पर जिला स्तरीय कार्यशाला, सुरक्षा ऑडिट एवं दुर्घटना निवारण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। महिला सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल तथा महिला श्रमिक सुरक्षा एवं POSH जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्य ग्राम्य विकास संस्थान एवं अधीनस्थ प्रशिक्षण संस्थानों में व्यापक वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

सौरभ बाबू के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा सुबोध दीक्षित के निर्देशन में संपन्न कार्यक्रम

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस(5 जून)के अवसर पर प्रदेशभर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग एवं महानिदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान श्री सौरभ बाबू के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा अपर निदेशक श्री सुबोध दीक्षित के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संस्थान मुख्यालय सहित संस्थान के अधीन संचालित प्रदेश के सभी 50 क्षेत्रीय एवं जिला ग्राम्य विकास संस्थानों में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। संस्थान मुख्यालय परिसर में प्र0 अपर निदेशक श्री सुबोध दीक्षित की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पारम्परिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों के पौधे रोपित किए गए।

इस अवसर पर श्री सुबोध दीक्षित ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने पारम्परिक वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण एवं भूजल संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण एवं विकास कार्यों के बीच वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे तथा रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

आरोप : कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना

'भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल'

■ जनता 2027 में अहंकार का करेगी अंत
■ भाजपा नेताओं की भाषा असंसदीय और अमर्यादित - अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार से लेकर संगठन तक के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं की भाषा बेहद अभद्र और असंसदीय हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी दलों के नेताओं ने अपने नौ साल के कार्यकाल में विकास के बजाय भेदभाव और नफरत फैलाने का काम किया है। शनिवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है और आए दिन जघन्य अपराध तथा हत्याओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है और लगभग हर विभाग में लूट मची हुई है। थाना और तहसील भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं, जहां आम जनता को न्याय और सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है। सपा प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त दवाएं और समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। दवाओं की खरीद और वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं तथा घोटालों की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।

भाजपा द्वारा किए गए वादों पर कोई ठोस जवाब नहीं

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री और सरकार के मंत्रियों के पास जनता से जुड़े मुद्दों तथा भाजपा द्वारा किए गए वादों पर कोई ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में संभावित हार के डर से भाजपा नेता और सहयोगी दलों के प्रतिनिधि अमर्यादित भाषा और अलोकतांत्रिक व्यवहार पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को अपने पद की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन भाजपा के कई नेता स्वयं ही पदों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान दे रहे हैं। उनके अनुसार, सरकार के पास जनहित में करने के लिए न तो कोई नई योजना है और न ही कोई स्पष्ट सोच दिखाई देती है।

> **किसानों के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा केवल चुनावी नारा बनकर रह गया है। किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार समय पर पंचायत चुनाव कराने में भी विफल रही, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश की जनता सरकार की कार्यशैली को बारीकी से देख रही है और आगामी विधानसभा चुनाव में उसका जवाब देगी।**

प्रेग्नेंट होने पर प्रेमी ने छात्रा को मारकर फेंका

सीतापुर की युवती की लखनऊ में हत्या, 10 दिन बाद जंगल में चप्पल-कपड़े और हड्डियां मिलीं

हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीतापुर की एक बीएससी छात्रा के प्रेग्नेंट होने के बाद प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर लखनऊ ले गया और हत्या के बाद शव को जंगल में फेंक दिया। सीतापुर के संदना क्षेत्र की रहने वाली 19 वर्षीय मानसी, जो बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी, 25 मई को कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसके प्रेमी पर उसे भगाने का आरोप लगाया था। युवती की बरामदगी न होने पर परिजन ने धरना-प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। 6 जून को पुलिस ने जंगल से शव के अवशेष बरामद किए।

पुलिस ने कहा- दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। छात्रा के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी काफी परेशान रहने लगा। शादी की जिम्मेदारी से बचने के लिए युवती की हत्या कर दी। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने लखनऊ के महिपतपुर क्षेत्र के जंगल से कुछ हड्डियां, बाल, कपड़े और चप्पल बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि बरामद हड्डियों के अवशेष, कपड़े और चप्पल युवती के ही हैं।

एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो पिता ने धरना शुरू किया

पिता महेश ने बताया, मेरी बेटी 25 तारीख को लापता हो गई थी। उसके प्रेमी ने उसका अपहरण कर लिया था। मैं नामजद शिकायत दर्ज कराने थाने गया, लेकिन मामला दर्ज नहीं किया गया। 28 तारीख को मुकदमा दर्ज हुआ। जब मैंने FIR की कॉपी देखी तो मैं उससे संतुष्ट नहीं था। इसके बाद मैं सीओ साहब और एसपी साहब से मिला। मैं लगातार अधिकारियों के पास जाता रहा और उन्हें बताता रहा कि मैं पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हूं। जब मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई, तो अधिकारियों को सूचना देकर धरने पर बैठ गया।

पिता बोले- आज पुलिस लखनऊ लेकर मुझे आई

पिता ने बताया कि शनिवार को पुलिस मुझे लेकर लखनऊ आई। बताया कि मेरी बेटी मिल गई है। लेकिन मुझे लेकर सीधे जंगल गए। वहां झाड़ियों में फंसे उसके कपड़े दिखाए। चप्पल और हड्डियां भी पड़ी थी। उसके बाल भी मिले लेकिन पूरी लाश नहीं मिली। बताया जा रहा कि मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। आरोपी प्रेमी जेल में है। अगर बेटी की हत्या हुई है तो अकेले तो उसने किया नहीं होगा। और लोग शामिल होंगे। उन पर भी कार्रवाई हो।

पुलिस ने शव की शिनाख्त मृतका के पिता से कराई। जंगल में बाल और कुछ हड्डियां पड़ी थीं।

घटनास्थल पर एक चाकू पड़ा मिला है।

सड़क हादसे में महिला की मौत

फतेहपुर-सिहाली मार्ग पर हादसा, दवा लेने जाते समय ट्रैक्टर ने कुचला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के फतेहपुर-सिहाली मार्ग पर शनिवार को एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला दवा लेने जा रही थी, तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, देवा थाना क्षेत्र के जोलिया गांव निवासी सलमा पत्नी इशरत अली अपने बेटे रमजान अली के साथ मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर दवा लेने आ रही थीं। फतेहपुर-सिहाली मार्ग पर ग्राम खांसी सराय के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सलमा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. अवधेश कौशल ने परीक्षण के बाद सलमा को मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजन दुखद स्थिति में थे। मृतक सलमा अपने पीछे एक बड़ा परिवार छोड़ गई हैं। उनके पांच बेटे हैं, जिनमें इशरत अली (27), फुरकान (22), शमीम (20), वासिफ (18) और समीर (14) शामिल हैं। उनकी दो बेटियां शबनम बानो (27) और तरन्नुम (18) भी हैं। इशरत अली और शबनम बानो का विवाह हो चुका है। परिवार की मुखिया की असमय मौत से परिजनों में गहरा दुख है।

फास्ट न्यूज

जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा तिराहे के पास जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आमने-सामने आ गए। झड़प में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच एक जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

विधायक अनिल सिंह ने राहुल-अखिलेश पर साधा निशाना

उन्नाव। पुरवा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अनिल सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि राहुल गांधी इटली से और अखिलेश यादव ऑस्ट्रेलिया से पढ़कर आए हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा के 100 सीटें लूटले वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि वही मशीनें अब उत्तर प्रदेश में भी आ गई हैं। उनके बयान के वीडियो सामने आए हैं।

किशोरी का अपहरण, मां-बेटे समेत 3 पर केस

हरदोई। हरदोई में एक 17 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है। इस संबंध में किशोरी के पिता ने शाहाबाद कोतवाली में शुक्रवार की रात तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपियों में मां-बेटे सहित तीन लोग शामिल हैं, जिन पर किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप है। पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 4 जून की सुबह शौच के लिए घर से निकली थी।

जन कल्याण अभियान के साथ होगा समन्वित, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद हरदोई में 5 जून से 21 जून 2026 तक समेकित जन कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन और कृषि विभाग संयुक्त रूप से इस अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। अभियान के तहत विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी तथा किसानों को आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 17 से 20 जून तक आयोजित विकास प्रदर्शनी में कृषि विभाग की

उपलब्धियों, नवाचारों तथा नई तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों और उन्नत तकनीकों के प्रति प्रेरित किया जाएगा। अभियान के दौरान कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले किसानों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इससे अन्य किसान भी नई तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। अभियान के प्रमुख विषयों में मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, संतुलित उर्वरक उपयोग, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का प्रयोग, हरी खाद, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम), जल संरक्षण, सूखा सहिष्णु फसलों का चयन तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के प्रति जागरूकता शामिल हैं। किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने और उत्पादन बढ़ाने के उपायों की भी जानकारी दी जाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान को जन कल्याण कार्यक्रम से जोड़ा गया

जिलाधिकारी अनुनय झा ने कृषि विभाग द्वारा संचालित 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' (खेत बचाओ अभियान) को जन कल्याण एवं जागरूकता अभियान के साथ एकीकृत कर शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा है।

जन कल्याण शिविरों और स्वास्थ्य मेलों में लगेंगे कृषि मेले

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि 14 से 16 जून तक आयोजित होने वाले जन कल्याण शिविरों एवं स्वास्थ्य मेलों में कृषि मेलों का भी आयोजन किया जाए। इन मेलों के माध्यम से किसानों को विभागीय योजनाओं, कृषि यंत्रों पर अनुदान, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा अन्य लाभकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए होंगी कार्यशालाएं

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 18 और 19 जून को जनपद में विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में प्रगतिशील किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रमों के दौरान जीवामृत, बीजामृत और घन जीवामृत तैयार करने की प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन भी किया जाएगा, जिससे किसानों को प्राकृतिक खेती के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी मिल सके।

हरदोई में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

ससुर बोले- हार्ट अटैक आया, डॉक्टर ने इलेक्ट्रिक शॉक की आशंका जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शनिवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका के ससुर ने जहां हृदय गति रुकने से मौत होने की बात कही है, वहीं डॉक्टर ने इलेक्ट्रिक शॉक की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना हरदोई के शहर कोतवाली क्षेत्र के पासामऊ गांव की है। यहां रहने वाले मनोज की पत्नी अनुराधा (32) की शनिवार सुबह कमरे में अचानक तबीयत बिगड़ गई। अनुराधा की 8 वर्षीय बेटी साक्षी ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन तुरंत अनुराधा को मेडिकल कॉलेज ले गए, लेकिन सुबह 10:41 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

मृतका के ससुर शिवसागर ने बताया कि वह और मनोज (जो सब्जी-फल की फेरी लगाते हैं) सुबह खेत और काम पर गए थे। घर पर उनकी पत्नी मिथलेश, अनुराधा और अनुराधा की तीन बेटियां थीं। शिवसागर के अनुसार, अनुराधा की तबीयत हृदय गति रुकने के कारण बिगड़ी थी। हालांकि, मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने अनुराधा की मौत का कारण इलेक्ट्रिक शॉक होने की आशंका जताई है।

दो सगे भाइयों के घरों में चोरी

नगदी-जेवरात लेकर चोर फरार, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के कोतवाली बदोसराय क्षेत्र के खजुरिहा गांव में देर रात चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने दो सगे भाइयों के घरों को निशाना बनाते हुए नगदी और जेवरात चोरी कर लिए, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बताया गया है कि चोर रात के अंधेरे में घरों में घुसे और हजारों रुपये की नकदी तथा कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए। चोरी का पता सुबह परिवार के सदस्यों को चला, जिसके बाद घर में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवारों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली बदोसराय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस चोरी की वारदात से जुड़े सभी

पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्नाव में तीसरे दिन दो और गर्डर स्थापित, कई ट्रेनें प्रभावित

सरैयां रेलवे क्रासिंग पर गर्डर रखने का काम शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले की बहुप्रतीक्षित सरैयां रेलवे क्रासिंग ओवरब्रिज (आरओबी) परियोजना का निर्माण कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। रेलवे और उत्तर प्रदेश सेतु निगम के संयुक्त प्रयासों से शनिवार को तीसरे दिन भी गर्डर स्थापित करने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। निर्धारित ब्लॉक अवधि के दौरान भारी क्रेनों की सहायता से दो विशाल गर्डरों को उनके तय स्थान पर स्थापित किया गया। पूरे कार्य की निगरानी रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। जानकारी के अनुसार, सरैयां रेलवे क्रासिंग पर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज

के निर्माण के लिए शनिवार को सुबह 9:50 बजे से 11:50 बजे तक रेलवे ट्रैक पर ब्लॉक लिया गया था। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की टीम ने अत्याधुनिक मशीनों एवं भारी क्षमता वाली क्रेनों की मदद से दो और गर्डरों को सफलतापूर्वक स्थापित किया। गर्डर स्थापना का यह कार्य अत्यंत जटिल और संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि इसे रेलवे लाइन के ऊपर निर्धारित समय के भीतर पूरा करना होता है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि गर्डर स्थापित करने की प्रक्रिया से पहले सभी तकनीकी पहलुओं की जांच की गई थी। इसके बाद सुरक्षा मानकों के अनुरूप पूरी कार्यवाही को अंजाम दिया गया। निर्माण कार्य के दौरान रेलवे, सेतु निगम और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी गई। गर्डर स्थापना के चलते शनिवार को भी कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा। रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार कुछ ट्रेनों को अस्थायी रूप से रोका गया और उनके संचालन में बदलाव किया गया। प्रभावित ट्रेनों में वंदे भारत एक्सप्रेस, आगरा इंटरसिटी, प्रयागराज इंटरसिटी तथा झांसी इंटरसिटी सहित कई प्रमुख ट्रेनें शामिल रहीं।

> ट्रेनों के अस्थायी रूप से रोके जाने के कारण यात्रियों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने इसे क्षेत्र के विकास और यातायात सुधार के लिए आवश्यक कदम बताते हुए यात्रियों से सहयोग की अपील की। रेलवे का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसका लाभ लाखों लोगों को मिलेगा।

प्रदर्शन : सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान, एसपी ने दी बधाई

रायबरेली पुलिस सीसीटीएनएस योजना में प्रदेश में नंबर वन

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली पुलिस ने तकनीकी दक्षता और प्रभावी कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) योजना के सफल क्रियान्वयन में पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि अप्रैल माह की प्रदेश स्तरीय सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में दर्ज की गई है, जिससे जिले की पुलिस कार्यप्रणाली को नई पहचान मिली है। पुलिस तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रत्येक माह प्रगति डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश के सभी

जनपदों का मूल्यांकन किया जाता है। इस मूल्यांकन में विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक मानकों के आधार पर जिलों की रैंकिंग तय की जाती है। अप्रैल माह की समीक्षा में रायबरेली पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया। रायबरेली पुलिस को सीसीटीएनएस के प्रभावी उपयोग, आईसीजेएस (इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) सर्च, विभिन्न पोर्टलों के उपयोग, नागरिक सेवाओं से संबंधित आवेदनों के समयबद्ध निस्तारण तथा एनएएफआईएस (नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) के बेहतर उपयोग जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर उत्कृष्ट कार्य के लिए यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। जिले के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय जिले के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सफलता टीम के सामूहिक प्रयास, कड़ी मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा, तकनीकी दक्षता और बेहतर समन्वय का परिणाम है। एसपी ने कहा कि आधुनिक तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर पुलिस व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। डिजिटल तकनीकों के माध्यम से अपराध नियंत्रण, जांच प्रक्रिया और नागरिक सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य में भी तकनीकी सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त होने के बाद रायबरेली पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों का मानना है कि यह उपलब्धि न केवल जिले की पुलिस टीम के लिए गौरव की बात है, बल्कि अन्य जनपदों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। सीसीटीएनएस (Crime and Criminal Tracking Network & Systems) भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009 में शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण मिशन मोड प्रोजेक्ट है। इसका उद्देश्य देशभर के पुलिस थानों को एक डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना और अपराध व अपराधियों का राष्ट्रीय स्तर का डेटाबेस तैयार करना है।

उन्नाव में समाधान दिवस, जनसमस्याएं सुनी गईं

डीएम बोले सम्बंधित अफसर कागजी कार्यवाही न करें मौके पर जाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सदर तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। उन्होंने भूमि विवाद, पैमाइश, विद्युत आपूर्ति, राजस्व संबंधी मामले और अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं

अधिकारियों के सामने रखीं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने सुनवाई के दौरान कहा कि शासन की मंशा के अनुसार प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि सदर तहसील में सबसे अधिक शिकायतें भूमि संबंधी विवादों और पैमाइश से संबंधित थीं। इन मामलों के निस्तारण के लिए उपजिलाधिकारी और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, बिजली विभाग, रजिस्ट्री और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों पर भी गंभीरता से कार्रवाई करने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से मिलें और उसकी उपस्थिति में समस्या का समाधान कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

सम्पादकीय

कर्नाटक में कलह

प्र कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में सरकार का गठन होते ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने जिस तरह पसंदीदा विभाग न मिलने से खफा होकर त्यागपत्र दे दिया, उससे नवगठित सरकार के सामने सिर मुड़ाते ही ओले पड़ने जैसी स्थिति बन गई है। रामलिंगा रेड्डी को जल संसाधन मंत्रालय दिया गया था, लेकिन वह उन्हें रास नहीं आया। उनका कहना है कि उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग वाला मंत्रालय चाहिए। किसी सरकार में कौन मंत्री बने और उसे कौन सा विभाग मिले, यह तय करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है, लेकिन शायद रामलिंगा रेड्डी को इसकी परवाह नहीं। उन्हें मलाईदार समझे जाने वाला बेंगलुरु विकास विभाग चाहिए। उन्होंने जिस तरह मनचाहे विभाग की मांग करने के स्थान पर सीधे त्यागपत्र दे दिया, उससे यही पता चलता है कि वे यह मान बैठे थे कि उन्हें वही विभाग मिलेगा, जो उनकी प्राथमिकता में है। यदि अन्य मंत्री भी ऐसी ही चाहत रखने लगें तो फिर डीके शिवकुमार के लिए सरकार चलाना कठिन ही होगा। वैसे उनके सामने समस्या केवल रामलिंगा रेड्डी ने ही खड़ी नहीं की। एक अन्य मंत्री जमीर अहमद भी अपने मंत्रालय से नाखुश हैं। उनके समर्थक उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाए जाने के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ और मंत्री भी अपने विभागों से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि किसी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया और कई मंत्री ऐसे हैं, जो बड़े नेताओं के सगे-संबंधी हैं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे भी शामिल हैं।

कर्नाटक में नई सरकार बनते ही जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की समस्या बढ़ाने वाला ही नहीं, पार्टी में गुटबाजी को नए सिरे से उभारने वाला भी है। कर्नाटक का मामला कुछ-कुछ पंजाब की याद दिला रहा है। वहां भी कांग्रेस नेतृत्व की ओर से मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को हटाते ही गुटबाजी चरम पर पहुंच गई थी और फिर ऐसी स्थिति बनी कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा।

फिलहाल कहना कठिन है कि कर्नाटक में क्या होगा, लेकिन जब विधानसभा चुनाव में दो वर्ष शेष रह गए हैं, तब कलह के बीच नई सरकार के लिए ऐसा कुछ कर पाना कठिन होगा, जिससे कर्नाटक की समस्याओं का समाधान हो और कांग्रेस को मजबूती मिले। कर्नाटक का घटनाक्रम पार्टी नेतृत्व की भी मुसीबत बढ़ाने वाला है, क्योंकि यह कांग्रेस शासित एक प्रमुख राज्य है और यह किसी से छिपा नहीं कि यहां भाजपा उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। यह शुभ संकेत नहीं कि जब कर्नाटक की जनता को एक सक्षम सरकार चाहिए, तब डीके शिवकुमार सरकार की शुरुआत कलह से हो रही है।

जीवन के श्रेष्ठ कलाकार

शेक्सपियर ने सही कहा है यह संसार एक रंगमंच का ही प्रकार है और हर स्त्री पुरुष इस रंगमंच पर केवल एक अदाकार है।वह इस संसार रूपी रंगमंच पर कर्मानुसार आता है, अपनी भूमिका निभाता है और चला जाता है। हर कलाकार अपने जीवन काल में कई भूमिकाएं निभाता है और समयानुसार भिन्न-भिन्न भूमिका निभाने अपनी वेशभूषा बदलने जाता है और बदल कर आ जाता है। यों हर कलाकार इस संसार चक्कर में विभिन्न भूमिकाएं निभाता जाता है , चक्कर लगाता रहता है । काव्य में सौंदर्य कल्पना भावों का समाहार होती हैं जो वैचारिकी प्रस्तुति और कलात्मक चितन व नव रस से सराबोर हैं । शब्द कभी भी बोलते नहीं है । वह अपने बंद मुख को कभी खोलते नहीं हैं । हमारे द्वारा जीवन में शब्दों को इज्जत देना है तो लहजे का भी ध्यान रखना होगा । वह शब्दों के साथ ही साथ हमें लहजे का भी मान रखना होगा। जहां इच्छा शक्ति प्रबल होती है, वहां स्वतः ही आत्मबल जाग जाता है । श्रम व संकल्प के अभाव में कभी काम पूरा नहीं होता है इसलिए मन का दृढ़ संकल्प ही कार्य सिद्धि के बीज बोता है । हम अपने जीवन में धैर्य तो रखें पर अति विलंब भी नहीं करें । हम आत्म विश्वास से भरा कोई दीपक जलायें । वह रास्ते में तूफान भी आए तो हम बिलकुल भी नहीं डरें ! हमारे द्वारा किसी भी रचनात्मक काम की जन्मस्थली कल्पना है। पहले हमारे मन में एक योजना की कल्पना उठती है।फिर उसे लिपिबद्ध करने के लिए हमारी कलम चलती है। हमारे द्वारा उस पर अच्छी तरह से चिन्तन मनन होता है। वह तब मानसिकता क्रियान्विति के लिए आगे बढती है। इस पृष्ठभूमि को हम तकनीकी भाषा में सृजनात्मक कल्पनाशीलता कहते हैं । इसी के सहारे बड़े से बड़े, छोटे से छोटे काम सारे क्रियान्वित होते हैं। इस तरह की सृजनात्मक कल्पनाशीलता को कर्मशील जीवन का एक अहम पहलू कह सकते हैं। वह इसके बिना प्राप्त सफलता को एक इत्तेफाक ही समझते हैं। कलात्मक बोलना तो एक कला है ही पर किसी को सुनना भी वैसे ही एक असरदार कला हैं । जो बोलने की कला से कठिन है पर बोलने की कला से कहीं ज्यादा प्रभाव पैदा करने वाली कला है । वह जब कोई व्यक्ति किसी को पूरे ध्यान से सुनता है तो बोलने वाला खुलने लगता है।

› प्रदीप छाजेड़

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

> 66
> आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो "मिलावट-मुक्त भारत" को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं।

– ललित गर्ग

आज एक विचित्र...

विद्यावाचस्पति उदयराज मिश्र,शिक्षाविद

ज्ञान को सूचना में बदलते यूट्यूबर शिक्षक

शिक्षा एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है।जिसके अंतर्गत जीवनपर्यंत सीखने का क्रम चलता रहता है।किंतु विगत एक दशक में शिक्षा-जगत में नवाचारों के नाम पर जितना बड़ा परिवर्तन हुआ है, उतना शायद पिछले कई दशकों में भी नहीं हुआ था। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने ज्ञान के स्रोतों को लोकतांत्रिक बना दिया है। आज किसी भी विषय का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी को न तो किसी पुस्तकालय की अनिवार्यता है और न ही किसी विशेष संस्थान की। एक क्लिक पर सैकड़ों यूट्यूबर शिक्षक उसके सामने उपस्थित हो जाते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यूट्यूबर शिक्षक परम्परागत कक्षा-शिक्षकों का स्थान ले रहे हैं? क्या संप्रेषण की आधुनिक तकनीक ने गुरु की भूमिका को सीमित कर दिया है?क्या यूट्यूबर शिक्षक ही गुरुओं की भूमिकाओं की भी प्रतिपूर्ति कर सकते हैं?आदि आदि यक्ष प्रश्न आज देश के समक्ष विमर्श के बिंदु और विचारणीय विषय बनकर उभरे हैं।

वस्तुतःइन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें शिक्षा और संप्रेषण के वास्तविक स्वरूप को समझना होगा।

यूट्यूबर शिक्षकों की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण उनकी प्रस्तुति-कौशल है,उनका मजाकिया अंदाज है,उनकी विशिष्ट वेशभूषा और लहजा है। वे जानते हैं कि डिजिटल युग का

विद्यार्थी क्या देखना और सुनना चाहता है। आकर्षक ग्राफिक्स, एनिमेशन, संक्षिप्त व्याख्या, परीक्षा-उन्मुख सामग्री और सरल भाषा के कारण उनके वीडियो लाखों विद्यार्थियों तक पहुँचते हैं। एक शिक्षक की आवाज़, जो पहले एक कक्षा तक सीमित थी, आज पूरे देश और विश्व तक पहुँच रही है। यह शिक्षा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है।

किन्तु शिक्षा का प्रश्न केवल पहुँच का नहीं, प्रभाव का भी है। ज्ञान को सूचना में बदलना सरल है, परंतु सूचना को विवेक में परिवर्तित करना कठिन है। यहीं पर कक्षा-शिक्षक की भूमिका प्रारम्भ होती है।

यूट्यूब पर पढ़ाने वाला शिक्षक प्रायः विद्यार्थियों को देख नहीं सकता।यह शिक्षा एकांगी है,जोकि वास्तविकता से कोसों दूर होती है।वह श्रोताओं की आँखों में उठते प्रश्नों को नहीं पढ़ सकता, उनकी मानसिक स्थिति को नहीं समझ सकता और न ही उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को ढाल सकता है। उसका संप्रेषण तकनीकी दृष्टि से प्रभावी अवश्य होता है, परन्तु मानवीय दृष्टि से सीमित रहता है। वह हजारों विद्यार्थियों को संबोधित करता है, किन्तु किसी एक विद्यार्थी के जीवन को निकट से स्पर्श नहीं कर पाता।कदाचित यही एकांगीपन ही उसके शिक्षण कौशल और संप्रेषण की विफलता भी कहा जा सकता है।

इसके विपरीत कक्षा-शिक्षक केवल विषय नहीं पढ़ाता, बल्कि व्यक्तित्व गढ़ता है। वह विद्यार्थियों को अनुशासन, उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और सामाजिक व्यवहार भी सिखाता है। उसके शब्दों से अधिक उसका आचरण शिक्षा देता है। विद्यार्थी उसके व्यक्तित्व से प्रेरणा ग्रहण करता है। यही कारण है कि इतिहास में महान व्यक्तियों ने अपने गुरुओं को याद रखा है, यूट्यूब चैनलों को नहीं।

आज एक विचित्र प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही है। कुछ लोग यूट्यूबर शिक्षकों की लोकप्रियता को परम्परागत शिक्षकों की विफलता के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह दृष्टिकोण न तो न्यायपूर्ण है और न ही यथार्थपरक। वास्तव में यूट्यूबर शिक्षक भी उसी परम्परागत शिक्षा व्यवस्था की देन हैं। जिन शिक्षकों से उन्होंने सीखा, उन्हीं के ज्ञान को वे डिजिटल माध्यम से आगे पहुँचा रहे हैं। अतः दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि निरंतरता का संबंध है।

निस्संदेह यह भी स्वीकार करना होगा कि परम्परागत शिक्षकों के लिए यह एक चुनौती का समय है। केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ा देना अब पर्याप्त नहीं है। यदि विद्यार्थी के मोबाइल में विश्वभर का ज्ञान उपलब्ध है, तो शिक्षक को अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। उसे ज्ञानदाता से आगे बढ़कर मार्गदर्शक, प्रेरक और चिंतक बनना होगा। उसे तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसका सृजनात्मक उपयोग करना होगा।

बागपत के गांव-गांव तक परिवारों को मिला चिकित्सा सुरक्षा का मजबूत आधार

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और शहरी अंचलों में रहने वाले लाखों परिवारों के लिए बीमारी कभी भी केवल शारीरिक कष्ट तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह एक गहरे मानसिक और आर्थिक भय का कारण बनी रही है। अस्पताल के भारी-भरकम बिलों का डर, आकस्मिक परिस्थितियों में कर्ज लेने की विवशता और जीवन रक्षा के बीच किसी एक को चुनने का कठिन धर्मसंकट हमेशा से आम नागरिकों की स्थिरता को प्रभावित करता रहा है। इस संवेदनशील परिस्थिति को पूरी तरह बदलने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के समन्वय से संचालित आयुष्मान भारत योजना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरदर्शी नीति के रूप में धरातल पर काम कर रही है। यह व्यवस्था महज एक सरकारी योजना न होकर राज्य के प्रत्येक पात्र नागरिक के लिए चिकित्सा सुरक्षा का एक मजबूत आश्वासन और सम्मान का प्रतीक सिद्ध हो रही है। इस योजना की बदौलत आज जनपद-बागपत में तस्वीर बदल रही है और अब लोग चिकित्सा आवश्यकताओं को लेकर मानसिक रूप से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस योजना के लागू होने से सबसे बड़ा गुणात्मक परिवर्तन यह आया है कि अब धन के अभाव में इलाज में होने वाली जानलेवा देरी पूरी तरह समाप्त हो गई है। पूर्व में अक्सर यह देखा जाता था कि खर्च के डर से लोग छोटे लक्षणों को नजरअंदाज करते थे जो बाद में गंभीर बीमारी का रूप ले लेते थे। अब इस योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों के व्यापक नेटवर्क के कारण नागरिक बिना किसी संकोच के समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर रहे हैं। समय रहते उपचार मिलने से न केवल अनमोल जीवन की रक्षा हो रही है बल्कि चिकित्सा के दौरान उत्पन्न होने वाली शारीरिक जटिलताएं भी न्यूनतम हो रही हैं। इसके साथ ही यह योजना परिवारों को उस भारी वित्तीय तनाव से भी मुक्ति दे रही है जिसके कारण लोगों को अपनी जमीन या अन्य संपत्तियां गिरवी रखनी पड़ती थीं क्योंकि इस पूरी व्यवस्था में मरीज से कोई अग्रिम भुगतान या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं लिया जाता है।

भारत सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को वह सुरक्षा दी है, जिसकी उन्हें लंबे समय से जरूरत थी। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी और निजी दोनों प्रकार के अस्पतालों में यह सुविधा मिलने से अब इलाज केवल अमीरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचने लगा है। बागपत में इस योजना का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां हजारों परिवारों ने इसका लाभ उठाकर अपने जीवन को नई दिशा दी है।

जनपद-बागपत के बड़ौत क्षेत्र की निवासी श्वेता की कहानी इस बदलाव को सबसे गहराई से दर्शाती है। कूल्हे के जोड़ की गंभीर समस्या के कारण उनका चलना-फिरना लगभग बंद हो गया था। दर्द इतना बढ़ गया था कि उनका सामान्य जीवन भी कठिन हो गया था। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन जरूरी है और इसकी लागत करीब 2 लाख रुपये होगी। यह रकम उनके परिवार के लिए असंभव थी और घर में चिंता का माहौल था। लेकिन इसी बीच आयुष्मान कार्ड उनके लिए उम्मीद बनकर आया। उन्हें सूचीबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क किया गया। आज श्वेता स्वस्थ हैं, अपने पैरों पर खड़ी हैं ।

जरा हटके

इस योजना के...

निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

दुग्ध उत्पादन, ग्रामीण समृद्धि और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नन्द बाबा दुग्ध मिशन बना आर्थिक सम्बल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, किसानों एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने तथा प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से "नंद बाबा दुग्ध मिशन'' को एक महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी पहल के रूप में संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दुग्ध विकास को ग्रामीण समृद्धि का मजबूत आधार मानते हुए पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र को नई दिशा प्रदान कर रही है। यह मिशन न केवल दुग्ध उत्पादन बढ़ाने का माध्यम बन रहा है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार सृजन, सहकारिता विस्तार और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव भी तैयार कर रहा है।

नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत प्रदेश में उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली स्वदेशी गायों-गिर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। "मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना" के माध्यम से प्रदेश सरकार पशुपालकों को इन नस्लों की गायों के पालन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। योजना के तहत महिला पशुपालकों को विशेष प्राथमिकता देते हुए 50 प्रतिशत अनुदान अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्वदेशी नस्ल आधारित डेयरी गतिविधियों से जोड़कर स्थायी आय का स्रोत विकसित करना है। प्रदेश में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक विभिन्न योजनाओं में 9255 से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन योजना के अंतर्गत पशुपालकों को केवल गाय क्रय हेतु ही नहीं, बल्कि आधुनिक

पशुपालन के लिए आवश्यक संसाधनों हेतु भी सहायता प्रदान की जा रही है। इसमें पशु शेड निर्माण, चारा काटने की मशीन, साइलेज यूनिट, पशु बीमा, खनिज मिश्रण, पशु आहार तथा अन्य डेयरी उपकरणों को शामिल किया गया है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पशुपालकों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक डेयरी प्रबंधन की सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि हो सके।

इस योजना के लिए न्यूनतम दो स्वदेशी गायों की इकाई निर्धारित की गई है, जिससे छोटे एवं सीमांत पशुपालकों को भी डेयरी व्यवसाय से जोड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए ग्राम स्तर पर आवेदन प्रक्रिया संचालित की जा रही है। आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समयसीमा के भीतर चयन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। योजना में लाभ लेने के लिए आवेदन की समयसीमा 45 दिन निर्धारित की गई है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से लाभ उपलब्ध कराया जाता है।

प्रदेश सरकार ने दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना" भी लागू की है। इसके तहत उच्च गुणवत्ता वाला दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को 10 हजार रुपये अथवा 15 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं। योजना का उद्देश्य पशुपालकों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने, पशुओं की बेहतर देखभाल करने तथा गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित करना है।

दुग्ध सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश सरकार गांव स्तर पर "प्राथमिक बहुउद्देशीय दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों" का व्यापक गठन कर रही है। इन समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें सीधे बाजार एवं दुग्ध प्रसंस्करण व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। प्रत्येक समिति के माध्यम से गांव स्तर पर दुग्ध संग्रहण, गुणवत्ता परीक्षण तथा विपणन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों को बिचौलियों से मुक्त कर उचित मूल्य दिलाना प्रमुख है।

इस मिशन के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26 तक बड़े स्तर पर दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में 3201 नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया गया है। वर्ष 2026-27 में 4000 से अधिक अनाच्छादित ग्राम पंचायतों को दुग्ध सहकारिता नेटवर्क से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है। सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक समिति वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन और आधुनिक दुग्ध विपणन प्रणाली से जुड़ी हो।

मिशन के तहत दुग्ध समिति के गठन हेतु कम से कम 40 दुग्ध उत्पादक यदि अपना दुग्ध समिति को विक्रय करना चाहते है और उनका दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 70 लीटर अथवा उससे अधिक हो। ऐसे समूहों को दुग्ध संग्रहण केंद्र, परिवहन सुविधा तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। समिति के कार्यसंचालन के लिए सभी आवश्यक उपकरण और साधन सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाते है। प्रदेश सरकार द्वारा डेयरी क्षेत्र में आधुनिक अवसंरचना के विकास पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों, चिलिंग प्लांट, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा शीत श्रृंखला प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है। इससे दुग्ध की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ किसानों को समय पर भुगतान और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है।

खून से लथपथ सड़क पर तड़पते रहे दोनों, नगर निगम के रिटायर्ड कर्मचारी थे

ट्रक ने पति-पत्नी को रौंदा

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत हो गई। ट्रक के रौंदे जाने के बाद खून से लथपथ पति-पत्नी सड़क पर करीब 5 मिनट तक तड़पते रहे। सड़क पर कई मीटर तक खून पसर गया। एंबुलेंस आती इसके पहले दोनों ने दम तोड़ दिया। उधर, गुस्साए लोगों ने भाग रहे ट्रक ड्राइवर को पकड़कर पिटाई कर दी और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। शनिवार सुबह करीब 10.20 की यह दुर्घटना जाजमऊ की है। मृतक की पहचान नगर निगम के रिटायर्ड सफाई सुपरवाइजर लक्ष्मीकांत शर्मा (62) और उनकी पत्नी आशा शर्मा (56) के रूप में हुई है। दोनों स्कूटी से सिद्धनाथ मंदिर पूजा करने जा रहे थे। रिटायर कर्मचारी लक्ष्मीकांत शर्मा कानपुर के सीतारामनगर अहिरवां में पति आशा शर्मा और दो बेटों अमन उर्फ रिंकू शर्मा और हर्ष शर्मा के साथ रहते थे। शनिवार को वह पत्नी के साथ सिद्धनाथ मंदिर अपनी स्कूटी से जा रहे थे। दोनों हर शनिवार मंदिर जाते थे। बेटे अमन ने बताया- मां और पिताजी सुबह करीब 10 बजे घर से निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 10.20 बजे जाजमऊ के सोलंकी धर्मकांटा के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने रौंद दिया। ट्रक के नीचे आने से दोनों बुरी तरह घायल हो गए। सड़क पर खून पसर गया। दोनों नीचे गिरकर तड़पने लगे। लोग अभी उनकी मदद करते इसके पहले दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

उधर, हादसे के बाद भाग रहे ट्रक को लोगों ने दौड़ा लिया। लोगों ने ट्रक को ताड़बगिया स्थित तीन खंबे के पास रोक लिया। ड्राइवर को पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को भी कब्जे में ले लिया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर शहर में तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन संचालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को भी कब्जे में ले लिया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर शहर में तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन संचालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

> कैंट एसीपी अमित चौरसिया ने बताया- आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कराए जा रहे है, जिससे एक्सीडेंट होने का कारण सामने आ सकेगा। ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारी बोले- अवैध पार्किंग से आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं हो रहीं

दंपति के ट्रक से कुचले जाने के बाद जाजमऊ व्यापार मंडल ने अवैध पार्किंग को लेकर आक्रोश जताया है। अध्यक्ष अखलास अहमद ने कहा- आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं हो रहीं क्योंकि जगह-जगह अवैध पार्किंग बना दिया गया है। दादामियां मजार से लेकर वाजिदपुर तक अतिक्रमण कर ली गई हैं। व्यापार मंडल ने हादसे के बाद एसीपी अमित चौरसिया से मुलाकात की और गाड़ियों की अवैध पार्किंग पर रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस अवैध पार्किंग स्थलों को नजरअंदाज कर रही।

समाधान दिवस के दौरान महिला हादसे का शिकार

रायबरेली में 15 मिनट रुकी जनसुनवाई, 600 से ज्यादा शिकायतें दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली जनपद की सभी छह तहसीलों—सदर, महराजगंज, सलोन, ऊंचाहार, डलमऊ और लालगंज में शनिवार को 'तहसील संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान 600 से अधिक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 168 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी सरनीत कौर और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने स्वयं सदर तहसील परिसर में उपस्थित रहकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जन-सुनवाई में आने वाली शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से हल किया जाए और उन्हें लंबित न रखा जाए। सदर तहसील में समाधान दिवस आयोजन के समय रामवती नाम की महिला फरियादी जिनकी उम्र लगभग 48 वर्ष की थी अचानक

उनके साड़ी का पल्लू फर्रटा पंखे में फस गया जिससे मौके पर हड़कंप मच गया, तत्काल कर्मचारियों ने स्विच ऑफ करते हुए पल्लू को बाहर निकाला, करीब 15 मिनट तक इस दौरान जन सुनवाई बंद रही। ऊंचाहार तहसील में समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ वर्मा ने की, जबकि अन्य तहसीलों में संबंधित उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) ने मोर्चा संभाला और स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं का निराकरण किया। प्राप्त प्रार्थना पत्रों में राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित विवादों की संख्या अधिक थी।

फास्ट न्यूज

फ्रीजर में शॉर्ट-सर्किट से घर में आग

हरदोई। हरदोई के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुइयां में शनिवार की सुबह बिजली के शॉर्ट-सर्किट से एक घर में आग लग गई। इस घटना में घर में रखा अनाज, सोने-चांदी के जेवर, कपड़े और महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। हालांकि, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना शनिवार सुबह राजकुमार पुत्र भैयालाल के घर में हुई। राजकुमार ने बताया कि उनका पूरा परिवार छत के ऊपर सो रहा था। उनकी आंख खुली तो रोशनदान से धुआं निकलते देखा तब वह नीचे है।

मैरिज एनिवर्सरी पर महिला फंदे पर लटकी मिली

बरेली। बरेली में मैरिज एनिवर्सरी के दिन पति ने अपने भैया-भाभी के साथ मिलकर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, घटना को सुसाइड दिखाने के लिए उसे दुपट्टे से दरवाजे पर लटका दिया। इसके बाद मायके वालों को फोन कर तबीयत खराब होने की सूचना दी। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे मायके वाले पहुंचे तो घर का मेन दरवाजा खुला था। अंदर एक दरवाजे से फंदे पर बेटी का शव लटका था। घर में सिर्फ उसकी 4 साल की बेटी और दो साल का बेटा था। बाकी पति, देवर-देवरानी, जेठ-जेठानी और सास-ससुर फरार थे। मायके वालों का कहना है।

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज में विभिन्न महाविद्यालयों की स्नातक परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। परीक्षा के पहले दिन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने परिसर स्थित कृषि महाविद्यालय परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर प्रश्नपत्रों का अवलोकन किया तथा परीक्षार्थियों और शिक्षकों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

अरवल थाना क्षेत्र से विवाहिता महिला फरार

महिला के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू की

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव से एक विवाहित महिला लापता हो गई है। महिला के पिता ने गांव के ही एक युवक पर उसे बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और महिला की तलाश शुरू कर दी है। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के निवासी विवाहिता के पिता ने अरवल पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 26 मार्च 2026 को रात 11:45 बजे उनकी 20 वर्षीय पुत्री अपनी ससुराल अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव से बिना बताए कहीं चली गई थी। इस मामले में उनके दामाद ने पहले ही थाने में सूचना दी थी। पिता के अनुसार, अब उन्हें जानकारी मिली है कि उनके गांव का वल्ली उर्फ अनुपम उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गया है। अरवल थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि विवाहित महिला के पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और विवाहिता की तलाश की जा रही है।

बुर्का पहनकर टीचर दोस्त को मार डाला

10 लाख का गोल्ड ब्रेसलेट और चेन लूटी, 18 साल से दोस्ती थी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कोचिंग संचालक विजय प्रकाश गुप्ता की हत्या करने वाला उनका 18 साल पुराना दोस्त मोहित द्विवेदी निकला है। मोहित ने विजय की हत्या किसी रंजिश के कारण नहीं, बल्कि करीब 10 लाख रुपए के सोने के ब्रेसलेट और चेन लूटने के लिए की थी। शुक्रवार को पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा किया।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- मोहित द्विवेदी ने करीब 15 दिन पहले ही वारदात की योजना बना ली थी। उसने यूट्यूब पर सर्च किया कि पहचान छिपाकर दोस्त की हत्या कैसे करें। उसने क्राइम पेट्रोल के कई एपिसोड भी देखे, जिससे पुलिस जांच से बच सके। पहचान छिपाने के लिए मोहित ने बुर्का, लेडीज चप्पल, पर्स, दुपट्टा, ग्लव्स पहने। 31 मई (रविवार) की रात ऑटो से कोचिंग पहुंचकर लूट की। विरोध करने पर जोर का धक्का दिया। इससे विजय प्रकाश गुप्ता जमीन पर गिर गए। सिर में चोट लगने के कारण वे बेहोश हो गए। बाद में उनकी मौत हो गई। फिर मोहित उन्हें दूसरे कमरे में घसीटकर ले गया। अगले दिन 1 जून की सुबह महिला टीचर पहुंची तो खून से लथपथ शव देखा और पुलिस को सूचना दी। आरोपी मोहित द्विवेदी ने 15 मई के आसपास लूट की योजना बना ली थी। उसने क्राइम पेट्रोल के कई एपिसोड देखे। यूट्यूब पर भी सर्च किया कि पहचान छिपाकर हत्या कैसे की जाए।

एडमिशन के बहाने कोचिंग पहुंचा, धक्का देकर लूटी चेन-ब्रेसलेट

शाम करीब 6:45 बजे मोहित कोचिंग सेंटर से करीब 20 मीटर पहले ऑटो से उतर गया। करीब 10 मिनट तक इंतजार करने के बाद वह विजय प्रकाश गुप्ता के पास पहुंचा। उसने एक पर्ची देकर कोचिंग में एडमिशन लेने की बात लिखकर बताई। इस पर विजय ने नहाने जाने की बात कहते हुए उसे 10 मिनट इंतजार करने को कहा। कुछ देर बाद विजय वापस आए तो मोहित ने उनकी सोने की चेन छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर दोनों के बीच हाथापाई हुई। इसी दौरान मोहित ने विजय को जोरदार धक्का दे दिया, जिससे वह गिरकर बेहोश हो गए।

होली पर दोनों एक साथ खुजराहो घूमने गए थे

कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- नवाबगंज के आजाद नगर के रहने वाले कोचिंग संचालक विजय प्रकाश गुप्ता और आरोपी मोहित द्विवेदी पिछले 18 सालों से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों एक ही बिल्डिंग में कोचिंग चलाते थे। अक्सर समय साथ बिताते थे। वे साथ में शराब पीते और जुआ भी खेलते थे। मोहित की पत्नी कई साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। इसके कुछ समय बाद उसकी कोचिंग भी बंद हो गई। फिर वह एक कंपनी में लेबर सप्लाई का काम करने लगा। होली के दौरान मोहित और विजय साथ में खजुराहो घूमने गए थे। वहीं पर मोहित की नजर विजय के करीब 10 लाख रुपए कीमत के सोने के ब्रेसलेट और चेन पर पड़ी।

फर्रुखाबाद में बहू का फंदे से लटका मिला शव

सास ने मोबाइल में हंसकर बात करने पर टोका था

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के कंपिल थाना क्षेत्र के प्रीतम नगला गांव में एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने महिला की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक महिला की पहचान 25 वर्षीय ललिता के रूप में हुई है। उसके भाई संजीव ने आरोप लगाया है कि ललिता की हत्या गला दबाकर की गई है। संजीव के अनुसार, ललिता की शादी 22 अप्रैल 2024 को राहुल से हुई थी और उसका 11 महीने का एक बेटा भी है। उन्होंने यह भी बताया कि ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर ललिता को अक्सर परेशान करते थे। शुक्रवार शाम को जब ललिता की मौत की सूचना मिली, तो संजीव मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ललिता का शव नीचे रखा हुआ था और उसके ससुराल वाले वहां से फरार थे। घटनास्थल पर चूड़ियां टूटी हुई मिलीं, जिससे संजीव ने अनुमान लगाया कि उनकी बहन की गला दबाकर हत्या की गई है। वहीं, ससुराल पक्ष से चचिया ससुर दुर्वेश ने घटना का दूसरा पक्ष बताया। उनके मुताबिक, ललिता अपनी बहन से मोबाइल पर हंसकर बात कर रही थी। इस पर ललिता की सास ने उसे बहन से ठीक से बात करने को कहा। इसके बाद ललिता कमरे के अंदर चली गई और फंदा लगाकर जान दे दी।

हम यादव वंशी, गाय हमारी माता है : डिंपल

सैफई में शंकराचार्य का स्वागत किया, शिवपाल ने कहा- लड़ाई में हम आपके साथ

> ससुर शिवपाल यादव के साथ सांसद डिंपल यादव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का आशीर्वाद लेने पहुंचीं।

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की यात्रा सैफई पहुंची। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने शंकराचार्य का स्वागत किया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

डिंपल यादव ने कहा- हम यादव वंशी लोग हैं। गाय हमारे लिए हमेशा से पूज्य रही है। उसे बचाने के लिए जो भी बन पड़ेगा, हम लोग करेंगे। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आपकी इस लड़ाई में हम पूरे तरीके से साथ खड़े हैं। शुक्रवार को मैनपुरी में डिंपल यादव ने शंकराचार्य के सामने माथा टेका था। कन्नौज में शंकराचार्य को सड़क पर रात बितानी पड़ी थी, इसके लिए डिंपल ने उनसे माफी मांगी थी। डिंपल यादव ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मंच पर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि सैफई में हम आपका अभिनंदन करते हैं, आपको प्रणाम करते हैं, आपको नमन करते हैं। पूरे सैफई के लोग आज यहां उपस्थित हैं। करहल, जसवंतनगर, किशनी से भी लोग आए हैं। आना तो बहुत लोग चाहते थे, पर हॉल छोटा है। बड़ा है, लेकिन फिर भी छोटा है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- आज अगर कोई गाय की हत्या को बढ़ावा दे रहा है, तो वह कोई और नहीं बल्कि यही लोग हैं। यह जो पाप किया जा रहा, उसके पीछे वह मोटा लिफाफा है। जो इन्हें स्लाटर हाउस से मिल रहा है। उसी मोटे लिफाफे ने इनके हृदय को पूरी तरह बदल दिया है।

डिंपल बोलीं- हम यादव वंशी लोग हैं, गाय हमारी मां

डिंपल ने कहा- अगर ज्यादा लोगों को बुला लेते, तो लोग सही से बैठ नहीं पाते। इसीलिए आपके वचन सुनने के लिए हम लोगों ने सबको यहां बुलाया है। बहुत उत्साहपूर्वक सभी लोग आए हैं। आपका जो ये मिशन है, गाय को बचाने का, तो मैं आपसे कहना चाहूंगी कि हम यादव वंशी लोग हैं। गाय को हमेशा से हमने अपनी मां के रूप में देखा है, क्योंकि हमेशा से गाय ने सभी को पोषण देने का काम किया है। उसके संरक्षण के लिए जो भी हो पाएगा, समाजवादी पार्टी और मैं करेंगे।

28 फरवरी, 2016 को जंतर-मंतर पर हम लोगों ने इसी आंदोलन की शुरुआत की थी। वही आंदोलन, जो आज भी चल रहा है।

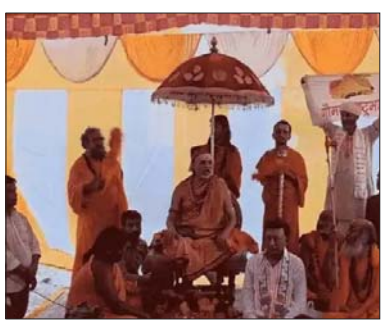

आदित्य और तेज प्रताप यादव भी रहे साथ

शनिवार को सैफई के एक प्राइवेट स्कूल के परिसर में कार्यक्रम हुआ। इसमें सांसद आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव, अभयराम यादव समेत कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थल पर लगी भगवान श्रीकृष्ण की 60 फीट ऊंची प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

वारदात : प्रयागराज में बोली- उसने मेरे साथ गंदा काम किया, 5 दिन बाद होश आया

चाचा ने भतीजी को मिट्टी का तेल छिड़ककर जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में 14 साल की एक लड़की को उसके ही चाचा ने मिट्टी का तेल छिड़ककर जला दिया। अस्पताल में मौत से लड़ रही पीड़िता को पांच दिन बाद होश आया। दर्द से कराहती लड़की ने पुलिस को बताया कि चाचा ने उसके साथ गलत काम किया। वो उसे गलत तरीके से छूते थे।

कई दिनों तक भूखा रखते और प्रताड़ित करते थे। लड़की ने बताया कि जब उसने चाचा की गलत हरकतों का विरोध किया, तो उसने मिट्टी का तेल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया। इसमें चाची ने भी उसका साथ दिया। पीड़िता के भाई ने शिवकुटी पुलिस से शिकायत की है। घटना शिवकुटी थाना क्षेत्र की है। लड़की के माता-पिता की मौत हो चुकी लड़की के मां-बाप की मौत हो चुकी है। वह अपने चाचा के घर में रहती है। भाई ने बताया- वह पत्नी के साथ राजापुर में रहता है। छोटी बहन व भाई चाचा-चाची के साथ शिवकुटी में रहते हैं। उसकी मौसी से ही उसके चाचा की शादी हुई है। 29 मई की शाम 4:30 बजे के करीब चाची का फोन आया। उन्होंने कहा- तुम्हारी बहन ने मिट्टी का तेल छिड़ककर खुद को आग के हवाले कर दिया है। इसे लेकर जाओ। मैं पहुंचा तो देखा कि बहन का पूरा चेहरा, हाथ और सीना जला हुआ था।

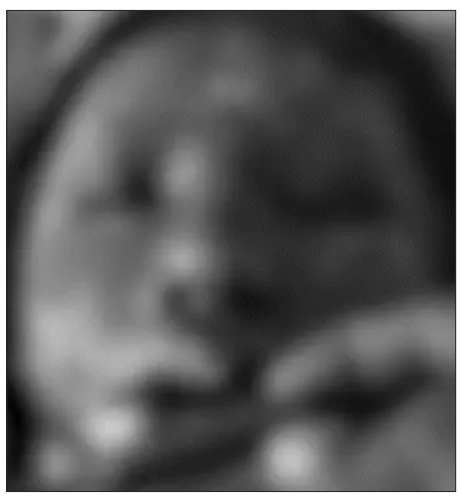

लड़की ने बताया- चाचा ने गलत काम किया। विरोध करने पर जला दिया।

वह चीख रही थी। मैं अपने छोटे भाई के साथ बाइक पर बैठाकर बहन को एसआरएन अस्पताल ले आया। यहां देखते ही डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया। एक दरोगा को मौके पर भेजकर लड़की से पूछताछ की गई है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

दर्द से मुंह तक नहीं खोल पा रही बहन

भाई के मुताबिक, बहन की हालत गंभीर बनी हुई थी। बुरी तरह झुलसने के कारण वह अपना मुंह भी नहीं खोल पा रही थी। शुक्रवार रात हालत में कुछ सुधार होने पर उसने बताया- चाचा ने उसके साथ गलत काम किया। वह उसे लगातार परेशान करते थे। गलत तरीके से छूते थे।

विरोध पर भूखा रखते, मारते-पीटते थे चाचा

बहन के कई बार मना करने के बावजूद चाचा नहीं माने। मना करने पर वह मारपीट करते थे। बहन ने जब यह बात चाची को बताई तो उन्होंने मुंह बंद रखने को कहा। ये लोग उसे तरह-तरह से परेशान करते थे। भूखा रखकर प्रताड़ित करते थे। बहन ने जब यह बातें बताईं, तो उसने मोबाइल से वीडियो भी बनाया। इसके बाद उसने शनिवार को थाने पहुंचकर तहरीर दी। इस पर एक दरोगा ने अस्पताल आकर बहन से पूछताछ की। शिवकुटी थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया- घटना 29 मई की है, लेकिन इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी गई। शनिवार को भाई ने आरोप लगाया कि बहन को जलाया गया है। जांच कराई जा रही है।

राबड़ी देवी और तेजस्वी ने अपनी सुरक्षा लौटाई

सरकार के सिक्योरिटी घटाने पर नाराजगी, बंगले के बाहर डंडे लेकर खड़े हुए कार्यकर्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार सुबह अपने आवास से सारी सुरक्षा हटा दी। यहां तक की बंगले के बाहर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को भी लौटा दिया है। इसके बाद रोहिणी ने पार्टी नेताओं से राबड़ी आवास पहुंचने की अपील की। कार्यकर्ताओं का राबड़ी आवास पर जुटना शुरू हो गया है। गेट पर एक कार्यकर्ता हाथ में डंडा लिए खड़ा है। जहां कभी पुलिसकर्मी बैठते थे वहां पार्टी के नेता बैठे है। राबड़ी के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी अपनी Y+ श्रेणी की सुरक्षा को वापस कर दिया है। रोहिणी ने X पर लिखा तमाम लालूवादियों से मेरी अपील है कि आप सब भारी संख्या में राबड़ी देवी जी के आधिकारिक आवास पहुंचकर बदले की भावना से काम रहे मुख्यमंत्री को ये सीधा , साफ और कड़ा संदेश दें कि आप सब ही लालू परिवार की असली सुरक्षा और ढाल हैं।पूरा देश, पूरा बिहार देख रहा है कि कैसे बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री और उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है और बिहार की जनता ही बदले की भावना से की गई हर कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देगी। दरअसल, 2 दिन पहले बिहार सरकार ने लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की Z+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली थी। सरकार के इस फैसले से राबड़ी देवी नाराज थीं। उनके परिवार को नुकसान, शारीरिक क्षति पहुंचाने की नीयत से ही ये फैसला लिया गया है। सुरक्षा में कटौती के बाद दिखावे की सुरक्षा रखने का कोई औचित्य ही नहीं है, इसके मद्देनजर ही राबड़ी देवी जी ने अपने आधिकारिक आवास से सुरक्षाकर्मियों को वापस किए जाने का निर्णय लिया है। सम्राट सरकार को ये जान लेना चाहिए कि बिहार की करोड़ों जनता ही लालू, राबड़ी देवी जी और उनके परिवार का सुरक्षा कवच है।

संभल में 2 मंजिला मस्जिद बुलडोजर से ढहाई

55 फीट ऊंची मीनार को क्रेन से खींचकर गिराया, 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में कब्रिस्तान की सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद मुस्तफा कादरी को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह मस्जिद नखासा क्षेत्र के कसेरुआ गांव में बनी है। पहले मस्जिद के आगे के हिस्से और पिलर को गिराया गया। इसके बाद 55 फिट ऊंची मीनार को हाइड्रा मशीन से ढहाया गया। बुलडोजर एक्शन के बीच एसपी और डीएम भी मौके पर पहुंचे। मस्जिद की पहली मंजिल से 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और हरे रंग का झंडा मिला। एसपी ने कहा कि ऐसे पोस्टर छपवाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के बाद करीब 120 वर्गमीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मस्जिद ढहाने के लिए नगर पंचायत सिरसी से चार बुलडोजर, डंपर-ट्रैक्टर के अलावा 20 सफाईकर्मी लगाए गए। इससे पहले मुस्लिम समाज के लोगों ने यहां नमाज अदा की। इसके बाद प्रशासन की टीम ने शीशे और गेट हटवाने की कार्रवाई की। पुलिस ने मस्जिद के आसपास के घरों को खाली कराया। गांव में सुरक्षा को देखते हुए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। तहसीलदार कोर्ट ने 21 अप्रैल को मस्जिद कमेटी के खिलाफ बेदखली का आदेश दिया था। हालांकि, मस्जिद कमेटी ने जिलाधिकारी कोर्ट में अपील की। लेकिन स्टे या आदेश रोकने का कोई फैसला नहीं किया गया। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने मस्जिद मामले में विशेष टीम का गठन किया

एक हजार लोग पढ़ने आते हैं नमाज

मस्जिद के मुतवल्ली जाकिर हुसैन ने बताया कि यह मस्जिद सैकड़ों साल पुरानी है। करीब 20 से 25 साल पहले इसका पुनर्निर्माण कराया गया था। इसमें करीब 50 लाख रुपए से अधिक की लागत आई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि तहसीलदार कोर्ट में उनके पक्ष को ठीक से नहीं सुना गया। उन्होंने कहा प्रशासन की मर्जी है जो चाहे करे। यह दो मंजिला मस्जिद है। शुक्रवार को यहां लगभग एक हजार लोग नमाज पढ़ने आते हैं। गांव की कुल आबादी भी लगभग एक हजार के आसपास है।

मस्जिद कमेटी सबूत नहीं दे सकी

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया- गांव के लोगों ने कब्रिस्तान की भूमि सुरक्षित कराने के लिए शिकायत की थी। जांच में पाया गया कि कब्रिस्तान की जमीन पर मस्जिद बनाकर कब्जा किया गया है। इसके बाद राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान मस्जिद कमेटी को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया गया। लेकिन, ऐसा कोई दस्तावेज या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह साबित हो सके कि मस्जिद निजी भूमि पर बनी है। इसके बाद कोर्ट ने बेदखली का आदेश पारित कर दिया। इस कार्रवाई के लिए थाना नखासा प्रभारी संजय कुमार, थाना कैलादेवी के सचिन कुमार, थाना रायसत्ती के सौरभ त्यागी, महिला थाना प्रभारी रेनू कुमारी सहित विभिन्न थानों की पुलिस फोर्स के साथ 60 पीएसी जवान भी तैनात किए गए हैं।

पहले भी दर्ज हुई थी एफआईआर

इस मामले में लेखपाल की शिकायत पर जनवरी 2026 में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था। आरोप था कि गलत तथ्य और दस्तावेज प्रस्तुत कर भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित कराने का प्रयास किया गया। ग्राम समाज की संपत्ति पर अवैध कब्जा किया गया।

ग्रामीण जावेद ने कहा, अब क्या कहेंगे, कोई सूचना तो थी नहीं तोड़ने की। सुबह ही हमें पता चला। अगर दो-चार दिन पहले सूचना दी जाती तो बात अलग होती, लेकिन कोई जानकारी नहीं दी गई। यह बहुत पुरानी मस्जिद है। हम तो अपने बड़े-बुजुर्गों के समय से यहां नमाज पढ़ते आ रहे हैं। इससे पहले दो बार चमनबंदी हो चुकी है, यह उससे भी पुरानी मस्जिद है।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने तहसील जलालपुर में सुनीं 184 शिकायतें

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। शासन की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए को तहसील जलालपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार, जिला विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी डीआरडीए सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता पर निस्तारण के निर्देश दिए। मौके पर निस्तारण योग्य मामलों का तत्काल समाधान कराया गया। भूमि विवाद के प्रकरणों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर दोनों पक्षों की उपस्थिति में स्थाई समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। चकमार्गों के पैमाइश और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में तहसीलदार को पैमाइश कराने और खंड विकास अधिकारी से समन्वय कर मिट्टी पटाई कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत निस्तारण में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं होगी। प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक लेना अनिवार्य है ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों से पूर्ण संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करने को कहा।

फास्ट न्यूज

ग्राम रोजगार सेवकों का प्रदर्शन

सहारनपुर। सहारनपुर में उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ की पुवारका ब्लॉक इकाई ने शनिवार को खंड विकास कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी पुवारका को सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के ग्राम रोजगार सेवकों के साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है।

बिना मास्टर प्लान के है 177 वर्ग किमी क्षेत्र

गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) की पुनरीक्षित महायोजना-2031 को लागू हुए 2 साल बीत चुके हैं लेकिन अभी तक विस्तारित क्षेत्र का मास्टर प्लान (महायोजना) नहीं बन सका है। लंबी कवायद के बाद मार्च 2024 में एरिया आफ इंटरेस्ट पर आधारित लगभग 540 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए महायोजना 2031 को कई समस्याओं का निस्तारण किए बिना लागू कर दिया गया लेकिन 177 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आज भी बिना महायोजना के है। यह वो क्षेत्र है, जो विस्तारीकरण के बाद प्राधिकरण में शामिल किया गया था।

स्कूल-आबादी के पास गैस प्लांट का कचरा

मथुरा। मथुरा के थाना नोहझील क्षेत्र में राया-नोहझील मार्ग स्थित बाघर्रा गांव के पास एक गैस प्लांट से निकलने वाले कचरे को खुले में डाला जा रहा है। ग्रामीणों में इस पर भारी रोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि शीतल कोल्ड स्टोर के पीछे संचालित गैस प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट को प्रतिदिन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से विद्यालय के पास और सड़क किनारे बने बाड़े में फेंका जा रहा है।

पूर्व सांसद शाहिद अखलाक के आवास पर एजेंसियों की छापेमारी

मेरठ में मीट कारोबारी के घर जांच, पूर्व सांसद ने नकारा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। शनिवार को मेरठ में पूर्व सांसद और मीट कारोबारी शाहिद अखलाक के आवास तथा फैक्ट्री पर केंद्रीय एजेंसियों की मौजूदगी से दिनभर चर्चाएं गर्म रहीं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने कई घंटों तक दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा की जांच की। हालांकि, किसी भी एजेंसी ने कार्रवाई के उद्देश्य को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसियों की टीम सुबह से ही दोनों स्थानों पर मौजूद रही। जांच के दौरान कई दस्तावेजों का सत्यापन किया गया और रिकॉर्ड खंगाले गए। अधिकारियों ने वित्तीय लेन-देन से संबंधित अभिलेखों के साथ-साथ डिजिटल उपकरणों और कंप्यूटर डेटा की भी पड़ताल की। कार्रवाई की सूचना फैलते ही गुड्डी बाजार और आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भीड़ जुट गई। दिनभर राजनीतिक और कारोबारी हलकों में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। किसी भी एजेंसी के अधिकारी ने मौके पर मीडिया को कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया, जिसके कारण कार्रवाई के कारणों और जांच की प्रकृति को लेकर अलग-अलग तरह की अटकलें लगाई जाती रहीं। पूर्व सांसद शाहिद अखलाक ने इसे छापेमारी मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह कोई छापेमारी नहीं थी, बल्कि एलगाइजिम नामक कंपनी के ऋण विवाद से जुड़े मामले में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए टीम उनके पड़ोसी के घर पहुंची थी।

बरेली कॉलेज में पर्यावरण महोत्सव संपन्न

राष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण एवं पुरस्कार वितरण समारोह में देशभर के प्रतिभागियों ने की सहभागिता

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज द्वारा एनवायरनमेंट, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन सोसायटी (EAES), बरेली एवं बृज विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित "7-दिवसीय विश्व पर्यावरण महोत्सव-2026" का भव्य समापन राष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंध समिति के सचिव देवमूर्ति के संरक्षण, प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन तथा स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक डॉ. अतुल यादव एवं पूर्व निदेशक प्रो. ए.पी. सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा और जन-जागरूकता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर सोशल एंड एनवायरनमेंटल सर्विस से सम्मानित किया गया।

गोष्ठी के दौरान आयोजित ओरल और पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मूल्यांकन के बाद संध्या को "बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड" से सम्मानित किया गया। जुबिया ने दूसरा और कल्याणी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

स्वच्छ जल संकट और स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ व्याख्यान

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सोमेश मेहरा, साइंटिस्ट-सी, एमआरयू-डीएचआर-आईसीएमआर, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी ने द एनवायरनमेंट-वॉटर-हेल्थ नेक्सस विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वच्छ जल की कमी, जल प्रदूषण, एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्हें डिस्टिंग्विश्ड साइंटिस्ट इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया।

विभागाध्यक्ष ने साझा की पांच वर्षीय कार्ययोजना

पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने स्वागत भाषण में महोत्सव की उपलब्धियों और विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना भी प्रस्तुत की। इसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका शुरू करने, विद्यार्थियों के लिए यूजीसी-नेट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग संचालित करने तथा एक गांव को गोद लेकर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास से जुड़े कार्यक्रम चलाने की योजना शामिल है।

गोरखपुर में नीट पेपर लीक का विरोध, 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' नारे लगे

सीजेपी समर्थन में उतरे युवाओं को घसीटकर ले गई पुलिस

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। देश भर में गरमाए NEET पेपर लीक मामले के विरोध की आग अब गोरखपुर तक पहुंच गई है। शहर के चटोरी गली के पास पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंकने पहुंचे युवाओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में चल रहे प्रदर्शन में युवाओं की प्रभावी संख्या नहीं पहुंच पाई। शहर के मुश्किल से 7 से 8 युवा ही शामिल हुए थे।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और युवाओं के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प हुई, जिसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए अपनी गाड़ी में भरकर कैंट थाने ले गई। दिल्ली में चल रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार की दोपहर 12 बजे गोरखपुर के 8 से 10 युवा चटोरी गली के पास इकट्ठा हुए थे। हाथों में तख्तियां और पुतला लेकर पहुंचे इन युवाओं ने पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

कैंट थाने ले जाए गए प्रदर्शनकारी

पुलिस सभी हिरासत में लिए गए युवाओं को गाड़ी में भरकर सीधे कैंट थाने ले आई। पुलिस का कहना है कि शहर में बिना अनुमति के प्रदर्शन करने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश के चलते यह कार्रवाई की गई है। वहीं, प्रदर्शनकारी युवाओं का कहना है कि पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है और वे इसके खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज करा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी की।

पुतला दहन से पहले पहुंची पुलिस

युवा अभी केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने की तैयारी कर ही रहे थे कि तभी भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, जिससे माहौल गरमा गया। जब युवाओं ने प्रदर्शन बंद करने से मना कर दिया, तो पुलिस ने सख्त रुख अपनाया।

महिलाओं को सरकारी योजनाओं का प्रशिक्षण

अपेक्षा समिति ने वित्तीय साक्षरता और आजीविका पर जानकारी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। औरैया में अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति द्वारा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका सशक्तिकरण करना था। द्वितीय दिवस का शुभारंभ पुनरावलोकन, प्रार्थना गीत और प्रेरक गीतों के साथ हुआ। सत्र का संचालन प्रशिक्षक श्रीमती विद्या सिंह सेंगर ने किया, जिन्होंने पिछले दिन की गतिविधियों का संक्षिप्त पुनरावलोकन कराया और महिलाओं से उनके अनुभव साझा करवाए। उन्होंने प्रेरणादायक उदाहरणों और कहावतों के माध्यम से महिलाओं को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, सरकारी सेवाओं तक पहुँच की प्रक्रिया, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वरोजगार और आजीविका योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागी महिलाओं को समूहों में विभाजित कर योजनाओं पर आधारित चर्चा कराई गई, जिससे उनकी समझ और सहभागिता बढ़ी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पौधे वितरित किए गए। उन्हें 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण के लिए भी प्रेरित किया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

वैष्णो देवी जा ...

पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के चलते वैसे ही कड़ी सुरक्षा है। इसके बीच ट्रेन के साथ हुए हादसे का पता चलते ही पुलिस तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई। रेलवे के अफसर भी मौके पर पहुंच गए। जांच के बाद लुधियाना के ADCP समीर वर्मा ने कहा कि ट्रेन जब चलने लगी तो 2 कोच को जोड़ने वाला कपलर टूट गया। यह हादसा है, किसी तरह का ब्लास्ट नहीं हुआ है। फिरोजपुर डिवीजन के DRM संजीव कुमार ने कहा कि एक डिब्बे की उम्र 25 साल होती है। जो डिब्बा टूटा उसे अभी 15 ही साल हुए हैं। ऐसे में जांच की जाएगी। जब कुछ टूटता है तो आवाज आती ही है, इस वजह से जांच के बाद ही सारी बातों का पता चलेगा। वैष्णा देवी जा रहे यात्रियों ने बातचीत में कहा कि ये डिब्बा दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जोड़ा गया। पुराना डिब्बा होने की वजह से हमें वहीं गड़बड़ी होने का शक था, जो सच साबित हुआ। फिलहाल ट्रेन में नए डिब्बे जोड़कर आगे रवाना करने की तैयारी की जा रही है। ADCP समीर वर्मा ने कहा- लुधियाना रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच में तकनीकी खराबी आने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। ADCP ने कहा- जांच में पता चला कि जम्मू-कटड़ा की ओर जा रही ट्रेन के एस-2 कोच के वॉशरूम वाले हिस्से में अचानक दरार (ब्रेकेज) आ गई थी। रेलवे के तकनीकी स्टाफ और इंजीनियरों ने जांच के दौरान बताया कि यह मामला वेल्डिंग फेलियर का प्रतीत होता है। कोच पुराना होने के कारण वेल्डिंग कमजोर पड़ गई थी और उसी स्थान से हिस्सा टूट गया। ADCP ने कहा- रेल अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कोई ब्लास्ट या विस्फोट नहीं था। घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें। DRM संजीव कुमार ने कहा- 9 बजे ट्रेन यहां रूकी और पांच मिनट बाद यहां से जाने लगी। उनका कहना है कि जब ट्रेन चलने लगी तो एस-2 बोगी का एन पैनल ब्रेक हो गया। ट्रेन में तैनात स्टाफ ने गाड़ी रुकवा दी। एहतियात के तौर पर सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। उसके बाद चेक किया गया। आवाज आना स्वाभाविक, जांच करेंगे: DRM ने कहा- जब यह हादसा हुआ तो आवाज आना स्वाभाविक है। आवाज का सोर्स क्या था, यह अभी जांच का विषय है। उनका कहना है कि डब्बा 15 साल पुराना है जबकि डब्बे की लाइफ कम से कम 25 साल होती है। जांच के बाद ही स्पष्ट कारण बताए जा सकते हैं। जल्दी ही इन 2 डब्बों को छोड़कर गाड़ी तैयार की जाएगी ताकि लोगों को उनके गंतव्य तक भेजा जा सके। ट्रेन में बैठे यात्री अमित चौहान का कहना है कि वो माता वैष्णो देवी जा रहे थे। ट्रेन का दिल्ली से टाइम 11.30 बजे थे लेकिन ट्रेन वहां से ढाई बजे रात को चली है। वहां पर लोग परेशान रहे। आखिर में दिल्ली में एक पुराने डब्बे को लाया गया और स्टोर में खड़ी बोगियों को लोकर ट्रेन तैयार की गई। जैसे ही चलने लगी तो हादसा हुआ, माता की कृपा से बचे: अमित ने कहा- हमें तभी लग गया था कि यह ट्रेन गड़बड़ करेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन लुधियाना स्टेशन पर रूकी और पांच मिनट बाद जब चलने लगी तो यह हादसा हुआ। माता रानी की कृपा रही कि सभी सुरक्षित रहे। उसका कहना है कि अगर यह हादसा हाईस्पीड में होता तो मंजर खतरनाक हो सकता था। अमित ने कहा- लुधियाना रेलवे स्टेशन पर कुछ सामान चढ़ाया जा रहा था। जब ट्रेन चलने लगी तो तेज आवाज आई और लोग बाहर आ गए। लोग आवाज सुनकर डर गए और वो डर के मारे कांपने लगे। रेल विभाग इस तरह का काम न करे और लोगों की जान का को खतरे में न डाले।

मैंने यूसुफ पठान ...

मुझे राजनीति से कभी मतलब नहीं रहा।' मीडिया से अपील है कि फैक्ट कन्फर्म किए बिना अफवाहों और अटकलों पर बनी खबरें पब्लिश न की जाएं। युसुफ पठान की जुड़ी खबर पब्लिश करने से पहले आरोपों की सत्यता की जांच की जानी चाहिए थी। इसके बाद से इस सीट को टीएमसी के लिए एक सेफ सीट की तरह देखा जाने लगा क्योंकि यहां 50-52% मुस्लिम आबादी के वोट हैं, जो बंगाल में टीएमसी के कोर वोटर माने जाते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता और मौजूदा सीएम शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर 15 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। तीन बार बंगाल की मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुकीं ममता बनर्जी अब विधायक भी नहीं हैं। शुभेंदु ने लगातार दूसरी बार ममता को विधानसभा चुनाव हराया था। 2026 से पहले 2021 में भी उन्होंने ममता को नंदीग्राम विधानसभा से हराया था। ममता इस समय राज्यसभा जाने की भी स्थिति में नहीं हैं। उनके 80 में से 58 विधायकों ने पार्टी से बगावत करके अलग गुट बना लिया है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर चल रहे राजनीतिक संकट के बीच, पार्टी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर किसी को भी अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बोलने की इजाजत नहीं थी। TMC की हार के बावजूद, नेताओं को डायमंड हार्बर के सांसद की तारीफ करने का निर्देश दिया गया था।

सीबीएसई 12...

CBSE का री-इवैल्यूएशन पोर्टल 1 जून को शुरू होना था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे 2 जून को लॉन्च किया गया।पोर्टल शुरू होते ही कुछ शरारती तत्वों ने इसे ठप करने की कोशिश की। उन्होंने 'डिनायल ऑफ सर्विस' हमला किया। इससे महज दो मिनट के भीतर वेबसाइट पर 15 लाख हिट्स आ गईं। इसके अलावा एक लाख से अधिक बार बिना अनुमति फाइल खोलने की कोशिश भी की गई। बोर्ड के अनुसार अब तक किसी भी तरह के डेटा लीक या अनधिकृत एक्सेस का कोई मामला सामने नहीं आया है। साइबर हमलों से निपटने के लिए IIT कानपुर, IIT मद्रास, डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, I4C, CERT-In और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की साइबर सुरक्षा टीमों ने मदद की।

रंग में भंग डाला तो...

अगर हमारे उत्सव में किसी ने रंग में भंग डालने की कोशिश की तो उसका वर्तमान हीं नहीं, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। 2017 में गोंडा देश के सबसे गंदे शहर के नाम से जाना जाता था। अब देश के स्वच्छ शहरों में गिनती होती है। पहले सारे विकास के काम सिर्फ एक गांव सैफई में होते थे। लेकिन, आज गोंडा, बहराइच, बस्ती और श्रावस्ती में भी मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। ये बातें सीएम ने शनिवार को करनैलगंज विधानसभा के चकरौत गांव में कहीं। यहां उन्होंने 516 करोड़ रुपए की 262 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मंच पर योगी के साथ पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और कैसरगंज सांसद करण भूषण भी मौजूद थे। इस दौरान, करण भूषण ने योगी को बर्थडे विश किया। कहा- बिलेटेड हैप्पी बर्थ-डे। देश में कोई आपको संन्यासी, कोई हिंदू हृदय सम्राट कहता है। लेकिन, सबसे ज्यादा लोग बुलडोजर बाबा के नाम से पुकारते हैं। आप हमारे गार्जियन थे, हैं और रहेंगे। आप मेरे आदर्श हैं। परिवार के मुखिया हैं। योगी ने कहा- पहले अयोध्या में राम का नाम लेने पर डंडे बरसते थे। राम भक्त अयोध्या नहीं जा सकते थे। अब अयोध्या में राम द्रोही नहीं घुस सकते। ऐसी व्यवस्था कर दी है। नई अयोध्या आपके सामने है। इसके लिए पूर्वज आशीर्वाद दे रहे होंगे कि नई पीढ़ी के सामने भव्य राम मंदिर बन रहा है। वो देख रहे होंगे कि जो उनके सामने नहीं हुआ, वो काम आज हो रहा है। योगी ने कहा- गोंडा का युवा ऊर्जावान है। किसान परिश्रमी है। बहनें-बेटियां प्रतिभाशाली हैं। कारीगर और हस्तशिल्पी ने अपने हुनर की छाप देश-दुनिया तक तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

15 साल, 71 दिन की उम्र में सिलेक्शन हुआ ■ श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं।

श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं।

वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल खेलेंगे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया कि जायसवाल चोटिल कोहली को रिप्लेस करेंगे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय भी बन सकते हैं वैभव

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

वैभव ने 149 दिन के फासले से तोड़ा शेफाली का रिकॉर्ड

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

> इसी साल फरवरी में अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल जीतने के बाद वैभव सूर्यवंशी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 80 बॉल 175 रन की पारी खेली थी।

दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनेक नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। यानी वैभव दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर नहीं बन सकते।

विराट कोहली हैमिस्ट्रिंग इंजरी के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। सूर्यवंशी ने IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप का अवॉर्ड जीता।

फाइनल राउंड में जर्मनी के विन्सेंट को हराया, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार मात दी

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ओस्लो, एजेंसी

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीत लिया है। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

उन्होंने क्लासिकल मुकाबला जीतकर 3 अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 7 बार मैग्नस कार्लसन ने

प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद विन्सेंट कीमर से हाथ मिलाया।

जीता। 2025 में भी वही चैंपियन थे।

इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में प्रज्ञानानंदा का प्रदर्शन साधारण रहा, लेकिन बाद के मुकाबलों में उन्होंने शानदार वापसी की।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक वर्ल्ड नंबर-1 और सात बार के नॉर्वे चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराना रहा। प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद

> प्रज्ञानानंदा ने वह कर दिखाया जो भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद भी नहीं कर पाए थे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश भी अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सके हैं। 2013 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पहली बार किसी भारतीय ने खिताब जीता है। प्रज्ञानानंदा दूसरी बार नॉर्वे चेस में खेल रहे थे। गुकेश 8 अंकों के साथ छठे (आखरी) स्थान पर रहे।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंदा ने मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया।

आखिरी राउंड में पलटी बाजी, वेस्ली टाईब्रेकर जीतने के बावजूद हारे

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ टॉप पर थे। लेकिन उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और फैसला आर्मागेडन टाईब्रेकर में गया। इससे प्रज्ञानानंदा के लिए खिताब जीतने का रास्ता खुल गया। वेस्ली सो ने टाईब्रेकर तो जीत लिया, लेकिन उन्हें केवल 1.5 अंक मिले। इस तरह उनके कुल 17 अंक हुए, जो प्रज्ञानानंदा से एक कम थे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी दौर में मैग्नस कार्लसन ने गुकेश को हराया, लेकिन वह भी खिताब नहीं जीत सके। कार्लसन 13 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहे।

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन गिरे 17 विकेट

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दिया 254 रनों का टारगेट

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच गेंदबाजों के नाम रहा। पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद दूसरे दिन भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और दिनभर में 17 विकेट गिरे। इंग्लैंड दूसरी पारी में एक समय मजबूत स्थिति में थी, लेकिन 11 गेंदों में 4 विकेट गंवाकर लड़खड़ा गई। इसके बावजूद टीम ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य रखा।

इससे पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर समेटकर 27 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद उसकी दूसरी पारी 226 रन पर सिमट गई, जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी

न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम 36 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। अब उसे जीत के लिए तीसरे दिन 218 रन और बनाने हैं, जबकि इंग्लैंड को 7 विकेट की जरूरत है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने टेस्ट कमबैक पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 साल में अपना पहला फाइव विकेट हॉल पूरा किया। पहले दिन 61 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की पहली पारी को इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में समेट दिया।

फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे फैबियो कोबोली

नई दिल्ली। इटली के फैबियो कोबोली ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। फ्रेंच ओपन 2026 के मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल से पहले उनके विरोधी माटेओ अर्नाल्डी ने बीमारी के कारण नाम वापस ले लिया, जिससे कोबोली को वॉकओवर मिल गया। 10वें सीड कोबोली का सामना अब रविवार के खिताबी मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने चेक रिपब्लिक के याकूब मेन्सिका को हराया। इस जीत के साथ उन्होंने करियर में दूसरी बार रोलां गैरो के फाइनल में जगह बनाई। वायरल इन्फेक्शन के कारण हटे अर्नाल्डी, करियर का पहला सेमीफाइनल नहीं खेल पाए

इटली के माटेओ अर्नाल्डी वायरल इन्फेक्शन (पेट की खराबी) के कारण अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल से हट गए। उन्होंने बताया कि तबीयत अचानक बिगड़ने से वे कोर्ट पर उतरने की स्थिति में नहीं थे।

मनोरंजन

अक्षय कुमार ने राजपाल यादव के साथ किया प्रैंक

सेट पर घोड़ा विग कुतरने लगा, घबराकर चिल्लाए एक्टर

नई दिल्ली। अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के सेट से एक बिहाइंड द सीन्स (BTS) वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में उनके को-आर्टिस्ट राजपाल यादव नजर आ रहे हैं।

वीडियो में राजपाल यादव एक बाड़ के पास खड़े दिखाई देते हैं। तभी अक्षय कुमार उनके पीछे एक घोड़ा लेकर पहुंच जाते हैं। घोड़ा राजपाल यादव की पहनी हुई विग को कुतरने लगता है, जिससे वह अचानक घबरा जाते हैं।

अचानक हुई इस घटना से राजपाल यादव डरकर चिल्ला उठते

हैं। इसके बाद अक्षय कुमार और राजपाल यादव दोनों जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने लिखा, "राजपाल यादव को अपनी 'हॉर्सपावर' दिखाने में बड़ा मजा आया। 'वेलकम टू द जंगल' आपकी कल्पना से भी ज्यादा जंगली है। 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।" फिल्म का डायरेक्शन अहमद खान ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, दलेर मेहंदी, फरीदा जलाल, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सलमान को एकतरफा टारगेट किया जा रहा था, इसलिए बीच में छोड़ी फिल्म

फिल्म काला हिरण को लेकर एक्टर सोनू मिश्रा का दावा

नई दिल्ली। फिल्म 'काला हिरण' को लेकर एक्टर सोनू मिश्रा ने दावा किया है कि फिल्म में सलमान खान का किरदार निभाने के लिए पहले उन्हें चुना गया था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद ही प्रोजेक्ट छोड़ दिया।

यूट्यूब चैनल झलको चूरू को दिए इंटरव्यू में सोनू ने बताया कि अप्रैल 2026 में उन्हें एक कास्टिंग डायरेक्टर ने इस फिल्म के लिए कॉन्टैक्ट किया था। सलमान खान से जुड़ा प्रोजेक्ट होने की वजह से उन्होंने तुरंत हामी भर दी। हालांकि, शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें लगा कि फिल्म में सलमान खान को

एकतरफा और नेगेटिव तरीके से दिखाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'मैंने देखा कि वहां फिल्म बनाने के नाम पर उस बड़े स्टार (सलमान) को एकतरफा टारगेट किया जा रहा था। वो भी काफी नेगेटिव ढंग से। मैंने मेकर्स से कहा कि आप मुझे स्क्रिप्ट दिखाइए।

'काला हिरण' को लेकर सलमान ने लीगल नोटिस भेजा

'काला हिरण' को लेकर सलमान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई।

सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ा

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर जारी विवाद के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया। अमित जानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में कहा,हर कोई मुझसे पूछ रहा है, मीडिया, दोस्त, कि सलमान खान के नोटिस पर आपको क्या कहना है? इस नोटिस पर मैं क्या कहूं? पिछले 36 घंटों से उनकी डोंगरी, धारावी, जोगेश्वरी के मुस्लिम लड़कों की फैन फॉलोइंग, उनके टूलकिट ने मुझे जान से मारने, मुंबई आने और सिर कलम करने के हजारों मैसेज भेजे हैं और उनके टूलकिट के जरिए एक मैसेज, चाहे वह असली हो या नकली, मुझे नहीं पता, डी-कंपनी के नाम से भेजा गया है। डी-कंपनी छोड़ेगी नहीं।

समोसे बेचते थे पिता, 4 साल में जगराता गाया, 10 बाई 10 के कमरे में रहीं, वैन में सोईं, नशे में कंटेस्टेंट ने किया प्रपोज

38 की हुई नेहा कक्कड़

नई दिल्ली। 6 जून 1988 को नेहा कक्कड़ का जन्म ऋषिकेश के बेहद गरीब परिवार में हुआ। तीन भाई-बहनों में नेहा सबसे छोटी थीं। सोनू कक्कड़ (सिंगर) और टोनी कक्कड़ (सिंगर-कंपोजर) उनसे बड़े थे। पिता के पास गुजारे के लिए कोई पक्की नौकरी नहीं थी। वो पत्नी निती कक्कड़ और 3 बच्चों के साथ ऋषिकेश के एक 10 बाय 10 के किराए के कमरे में रहते थे। गरीबी का वो आलम था कि घर में किचन तक नहीं था। मां उसी कमरे में एक टेबल रखकर उस पर खाना पकातीं। उसी कमरे में सब उठते-बैठते, सोते, खेलते।

नेहा महज 4 साल की थीं, जब पिता रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली शिफ्ट हो गए। वो एक छोटे से स्कूल के बाहर समोसे बेचने लगे। बड़ी बहन सोनू उसी स्कूल में पढ़ती थीं। स्कूल में पिता के काम के चलते उनका जमकर मजाक बनाया जाता था, जिससे वो काफी रोती थीं।

परिवार का गुजारा मुश्किल होने लगा, तो पिता ने बड़ी बेटी सोनू कक्कड़ के साथ जगराते में गाना शुरू कर दिया। पिता को लिखने का शौक था, तो वो खुद

नेहा कक्कड़ के ऋषिकेश स्थित घर की तस्वीर।

जगराते के लिए गाने लिखा करते थे।

समय के साथ भाई टोनी और फिर 4 साल की उम्र में नेहा ने भी पिता की आर्थिक मदद करने के लिए जगराते में गाना शुरू कर दिया। पूरा परिवार रिक्शे से जगराता करने जाता था। हर जगराते के उन्हें 500 रुपए तक मिलने लगे और घर के हालात भी बेहतर हो गए। समय के साथ पिता ने ट्रेवलिंग के लिए एक वैन ले ली। जब भी कभी रातभर जगराता होता, तो पिता वैन के पीछे वाली सीट खोलकर वहीं बच्चों के लिए गद्दे बिछा देते

झगड़े में भाई की जांघ में मारा पैन

नेहा कक्कड़, भले ही पढ़ाई से दूर रहीं, लेकिन शरारत में अव्वल थीं। सोनू उनसे बड़ी थीं, लेकिन टोनी से उम्र का फासला कम होने पर दोनों खूब झगड़ते थे। कपिल शर्मा शो में आए कक्कड़ भाई-बहनों ने बताया कि एक बहस के बाद नेहा ने भाई टोनी की जांघों पर पैन से ऐसा हमला किया कि आधा पैन उनकी जांघ में घुस गया था।

> दिल्ली में गायिकी में मजबूत पकड़ बनाने के बाद बड़ी बहन सोनू कक्कड़ ने 2003 में मुंबई के सिंगिंग रियलिटी शो पॉपस्टार जीता। उस शो के जज संदीप चौटा को सोनू की आवाज इतनी पसंद आई कि उन्होंने शो खत्म होते ही उन्हें ऑफिस बुलाकर, फिल्म 'दम' का गाना 'बाबू जी जरा धीरे चलोङ्ग,' ऑफर कर दिया। कम समय में ही सोनू ने म्यूजिक इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाते हुए कई हिट गाने दिए।

बड़े भाई टोनी के साथ नेहा कक्कड़ की तस्वीर।

थे, जिससे बच्चों को आराम मिल सके। इंडियन आइडल के एक एपिसोड में बचपन के दिनों को याद कर नेहा ने कहा था- मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू किया। उस समय कोई टाइम लिमिट नहीं होती थी। जगराते कभी-कभी रात से शुरू होकर सुबह तक चलते थे और हम लगातार गाते थे।

ल ोग

हमारी तारीफ तक नहीं करते थे, कई बार तो ऐसा भी हुआ, जब हम रातभर गाने के चलते स्कूल नहीं जा सके। नेहा कक्कड़ ने महज 5 साल की उम्र में ऋषिकेश में होने वाले एक म्यूजिकल कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। उस कॉम्पिटिशन में कोई एज लिमिट नहीं थी, तो 5 साल की नेहा को 16-17 और उससे भी बड़े लोगों के साथ कंपीट करना पड़ा। नन्ही सी नेहा ने तब नई-नई आई फिल्म फूल और कांटे का गाना मैंने प्यार तुम्ही से किया है गाया था।

पुतिन-किम जोंग की नजदीकी से जिनपिंग की चिंता बढ़ी, 7 साल बाद उत्तर कोरिया जाएंगे

‘उत्तर कोरिया अब सिर्फ चीन के भरोसे नहीं’

बयान

बीजिंग/प्योंगयांग, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते उत्तर कोरिया के दौरे पर जाएंगे और वहां किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के सरकारी मीडिया के मुताबिक यह यात्रा 8 से 9 जून तक होगी। जिनपिंग ने इससे पहले 2019 में प्योंगयांग का दौरा किया था।

यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब कुछ हफ्ते पहले ही जिनपिंग ने बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी की थी। रूस और चीन दोनों ही उत्तर कोरिया की विदेश नीति में बेहद अहम भूमिका निभाते हैं।

कुछ साल पहले तक उत्तर कोरिया पर चीन का दबदबा था, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और उत्तर कोरिया की नजदीकी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। यानी कि अब उत्तर कोरिया सिर्फ चीन के भरोसे नहीं है।

कुछ साल पहले तक किम जोंग उन की स्थिति कमजोर दिखाई दे रही थी। 2019 में ट्रम्प ने उनके साथ परमाणु वार्ताओं को समाप्त कर दिया था, जिससे प्रतिबंध हटने की उम्मीद खत्म हो गई। इसके बाद कोविड महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं बंद कर लीं।

इससे चीन के साथ व्यापार लगभग ठप हो गया, जबकि चीन ही उत्तर कोरिया के लिए सामान और विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा स्रोत था। लेकिन महामारी के बाद हालात बदल

चीन में विक्ट्री डे परेड के मौके पर पुतिन, शी जिनपिंग और किम जोंग उन एक साथ नजर आए। तस्वीर सितंबर 2025 की है।

चीन की उत्तर कोरिया के साथ अनोखी संधि

चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा आर्थिक और राजनीतिक साझेदार है। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों के कारण लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। ऐसे में चीन उसके लिए सबसे अहम सहारा बना हुआ है। चीन और उत्तर कोरिया के बीच करीब 1,400 किलोमीटर लंबी सीमा है। दोनों देशों के बीच रक्षा संधि भी है, जो चीन की किसी भी देश के साथ एकमात्र सैन्य संधि है। इस समझौते के तहत यदि किसी एक देश पर हमला होता है तो दूसरा उसकी मदद करेगा। इस साल इस संधि के 65 साल पूरे हो रहे हैं। किम जोंग के लिए शी जिनपिंग की यह यात्रा बहुत महत्व रखती है। कोविड महामारी, अंतरराष्ट्रीय अलगाव और फिर यूक्रेन युद्ध में रूस का साथ देने के बाद उत्तर कोरिया खुद को पहले से ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली दिखाने की कोशिश कर रहा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन जून 2024 को उत्तर कोरिया पहुंचे थे। इस दौरान स्वागत समारोह में किम जोंग उन ने उनका अभिवादन किया।

पुतिन-किम की बढ़ती नजदीकी से जिनपिंग परेशान

हाल के वर्षों में किम जोंग और व्लादिमीर पुतिन के संबंध भी तेजी से मजबूत हुए हैं। रूस ने उत्तर कोरिया को आर्थिक और तकनीकी मदद दी है, जबकि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस को सैनिकों और हथियारों की सहायता दी है।

जिनपिंग, रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ती नजदीकी को लेकर पूरी तरह सहज नहीं हैं।

चीन में 'नो मैरिज, नो किड्स' का बढ़ा ट्रेंड

घटती जन्मदर बनी शी चिनफिंग सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चीन की चुनौतियों की चर्चा अक्सर अमेरिका से आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ताइवान को लेकर तनाव या वैश्विक शक्ति संतुलन के संदर्भ में होती है। लेकिन इन सबके बीच चीन एक ऐसे संकट से जूझ रहा है जो आने वाले दशकों में उसकी अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीतिक स्थिरता पर गहरा असर डाल सकता है। यह संकट है तेजी से घटती शादियों और जन्मदर का।

चीन में पिछले लगभग एक दशक से 'नो मैरिज, नो किड्स' का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली तिमाही में देश में होने वाली शादियों की संख्या पिछले दस सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान 17 लाख से भी कम विवाह पंजीकृत हुए। 2017 की तुलना में विवाह पंजीकरण

के आंकड़े लगभग आधे रह गए हैं। घटती जन्मदर को लेकर चीन सरकार की चिंता इतनी बढ़ गई है कि वह विभिन्न स्तरों पर लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पिछले वर्ष चीन की एक कंपनी शांटियन केमिकल ग्रुप ने अपने 28 से 58 वर्ष की आयु के कर्मचारियों को नोटिस जारी कर कहा था कि यदि वे सितंबर 2025 तक शादी नहीं करेंगे तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। नोटिस में यह भी कहा गया था कि शादी और बच्चे पैदा न करना सरकार की नीति के खिलाफ माना जा सकता है।

फास्ट न्यूज

चिलचिलाती धूप, ट्रक खराब और पानी खत्म

नई दिल्ली। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर के सहारा मरुस्थल से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाने अपने घर लौट रहे 49 लोगों की प्यास के कारण तड़प-तड़प कर मौत हो गई। भीषण गर्मी के बीच बीच रेगिस्तान में ट्रक खराब हो जाना इन यात्रियों के लिए काल बन गया। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सहारा के खतरनाक रास्तों और वहां की प्रतिकूल परिस्थितियों को सामने ला दिया है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में गिरावट रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,225 रुपए गिरकर 1.54 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 30 मई को 1.56 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.63 लाख रुपए किलो से गिरकर 2.57 लाख रुपए पर आ गई है। यानी इसकी कीमत 6,442 रुपए कम हुई। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए और चांदी 27 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

ट्रंप ने की मोजतबा से मुलाकात की पेशकश

लंदन। अमेरिका और ईरान के तनाव के बीच एक नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तंज कसा है। अराघची ने ट्रंप के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें वास्तविक दुनिया में रहने की सलाह दी है।

केनरा बैंक पर आरबीआई ने 41.8 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने केनरा बैंक पर 41.8 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई है। यह कार्रवाई नो योर कस्टमर (KYC) नियमों समेत कुछ जरूरी बैंकिंग गाइडलाइंस का पालन न करने पर हुई है।

RBI की जांच में सामने आया है कि केनरा बैंक ने कई ग्राहकों के KYC रिकॉर्ड्स को तय समय सीमा के अंदर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (CKYCR) पर अपलोड नहीं किया था।

नियमों के मुताबिक, सभी बैंकों को नए और मौजूदा ग्राहकों का KYC डेटा इस केंद्रीय रजिस्ट्री पर तय वक्त के अंदर अपडेट करना होता है, ताकि फ्रॉड को रोका जा सके। केनरा बैंक इस टाइमलाइन को फॉलो करने में नाकाम रहा।

नियमों के उल्लंघन का दूसरा मामला कस्टमर अकाउंट्स की हैंडलिंग से जुड़ा है। RBI की गाइडलाइंस कहती हैं कि अगर किसी खाते में पिछले एक साल के भीतर ग्राहक की तरफ से कोई ट्रांजैक्शन हुआ है, तो उसे एक्टिव माना जाएगा। हालांकि, केनरा बैंक ने ऐसे कई खातों को भी इनऑपरेटिव (निष्क्रिय) घोषित कर दिया था, जिनमें आखिरी लेनदेन को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था।

RBI ने बैंक की यह कार्रवाई एक सुपरवाइजरी इवैल्यूएशन (ISE 2025) के तहत की है।

केवाईसी डेटा अपलोड करने में देरी और चालू खातों को इनऑपरेटिव बताने पर हुई कार्रवाई

ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने हालिया तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

कुवैत और बहरीन में गूंजे हवाई हमले के सायरन

अमेरिकी सैन्य अधिकरियों ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को कुवैत और बहरीन की ओर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इससे कुछ घंटे पहले ही चार ईरानी 'वन-वे अटैक' ड्रोन को नाकाम करने की खबर आई थी।

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान-अमेरिका संघर्ष विराम के बीच शनिवार को हुए जवाबी हमलों ने सीजफायर के लिए खतरा पैदा कर दिया। इस दौरान कुवैत और बहरीन पर मिलाइलों और ड्रोन से हमले हुए। वीडियो में कुवैत के ऊपर हवा में मिसाइलों को रोकते हुए दिखया गया, जबकि बहरीन में सायरन बज रहे हैं।

ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फगारी ने हालिया तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कुवैत जाने वाले यात्री विमानों को अपना रास्ता बदलने की सलाह दी। उन्होंने देश के नागरिकों को हवाई अड्डों से दूर रहने की भी सलाह दी। FlightRadar24 के अनुसार, कुवैत एयर पोर्ट पर 24 उड़ानें रद कर दी गईं और 15 में देरी हुई, जबकि हमलों के बीच विमानों को रोका गया या उनका रास्ता बदला जा रहा है। कुवैत क एयर स्पेस पूरी तरह से खाली हो गया। यह स्पष्टीकरण तब आया, जब ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि उसने कुवैत में अमेरिकी सेना वाले अली अल सलेम एयरबेस और बेहरीन में अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े को निशाना बनाया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी IRNA ने दी।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 6 मिसाइलों को रोका

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान द्वारा दागी गई 6 मिसाइलों को रोक दिया और सातवीं मिसाइल अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई। बयान में कहा गया कि फिलहाल अमेरिकी कर्मियों को किसी नुकसान की खबर नहीं है और बहरीन में अपने 5वें बेड़े के मुख्यालय को नुकसान पहुंचाने के ईरान के दावे झूठे हैं।

‘झूठ फैलाना बंद करे पाकिस्तान’

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारे में पाकिस्तान की 'बेवजह की बातों' का जवाब देते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के सत्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने शुक्रवार को इस्लामाबाद को 'गलत और पक्षपाती नैरेटिव फैलाने' के खिलाफ चेतावनी दी।

पी हरीश ने यह दोहराते हुए कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े सभी मामले पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है, यह केंद्र शासित प्रदेश, भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। हरीश ने कहा कि इसके विपरीत कोई भी दावा बेबुनियाद है और ऐतिहासिक तथ्यों के खिलाफ है। पाकिस्तान की खोखली बयानबाजी और झूठे दावे इस बुनियादी सच्चाई को नहीं बदल सकते हैं।

पी हरीश, संयुक्त राष्ट्र महासभा में परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अदमग द्वारा केंद्र शासित प्रदेश का जिक्र किए जाने पर जवाब दे रहे थे।

85% इथेनॉल वाला फ्लेक्स फ्यूल लॉन्च

82.12 प्रति लीटर मिलेगा, दिल्ली में पहला पंप खुला, पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

85% एथेनॉल मिक्स वाला E85 फ्यूल दिल्ली में आधिकारिक तौर पर लॉन्च हो गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन ऑयल (IOC) के पूसा रोड आउटलेट पर दिल्ली के पहले E85 फ्यूल डिस्पेंसिंग स्टेशन का उद्घाटन किया।

खास बात ये है कि यह पेट्रोल से 20 प्रति लीटर सस्ता है। इससे न सिर्फ आम लोगों का गाड़ी चलाने का खर्च कम होगा, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी घटेगी। दिल्ली में E85 फ्यूल की कीमत 82.12 प्रति लीटर तय की गई है। यह दिल्ली में बिक रहे रेगुलर E20 पेट्रोल से पूरे 20 कम है। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को किसी तरह का भ्रम न हो, इसके लिए E85 फ्यूल देने वाली मशीनों (डिस्पेंसर्स) पर एक खास ब्रांडिंग और अलग से साफ दिखने वाला लेबल लगाया जाएगा। अभी देशभर में फ्यूल स्टेशन पर जो पेट्रोल मिल रहा है वह E20 है, यानी उसमें 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल मिक्स है। इसके उलट, नए E85 फ्यूल में 85% तक एथेनॉल और सिर्फ 15% पेट्रोल है। सरकार E100 यानी 100% एथेनॉल जैसे फ्लैक्स फ्यूल की ओर बढ़ना चाहती है, ताकि कच्चे तेल के आयात को कम किया जा सके। 28 फरवरी को मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ा है। एथेनॉल को गन्ने के रस, मक्का और सड़े हुए अनाज जैसे कृषि उत्पादों से बनाया जाता है, इसलिए इसकी लागत कम आती है। यही वजह है कि ग्राहकों के लिए यह काफी किफायती साबित होगा, बशर्ते उनके पास इस फ्यूल को सपोर्ट करने वाली गाड़ियां हों। ये फ्यूल पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को भी कम करने में भी मदद करता है।

इस साल खुलेंगे 500 पंप, 2027 तक 5000 का टारगेट

दिल्ली के पूसा रोड पर खुला यह स्टेशन देश का पहला पंप है, लेकिन सरकार का प्लान इसे बहुत बड़े स्तर पर ले जाने का है। शुरुआती फेज में सरकार दिल्ली-NCR और मुंबई-पुणे-नागपुर कॉरिडोर में करीब 50 से 100 ऐसे E85 फ्यूल स्टेशन स्थापित करेगी। योजना के मुताबिक, इस साल अंत तक देश में ऐसे स्टेशनों का नेटवर्क बढ़ाकर करीब 500 किया जाएगा। वहीं, साल 2027 अंत तक केंद्र सरकार का टारगेट देश के सभी मुख्य शहरों में लगभग 5000 आउटलेट्स शुरू करने का है। सरकार ने हाल ही में E22, E25, E27 और E30 जैसे ज्यादा एथेनॉल मिक्स वाले फ्यूल स्टैंडर्ड्स को भी नोटिफाई किया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने फ्लेक्स फ्यूल कार में E85 फ्यूल भरकर शुरुआत की।

सिर्फ इन चुनिंदा गाड़ियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा

E85 फ्यूल को सामान्य पेट्रोल गाड़ियों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए गाड़ियों का इंजन खास तौर पर 'फ्लेक्स-फ्यूल' तकनीक पर आधारित होना चाहिए। फिलहाल भारत में अभी फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां अवेलेबल नहीं है।

'प्रवासियों की घुसपैठ और आत्म-घृणा की राजनीति' के कारण हुई हेनरी की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक सिख व्यक्ति द्वारा एक श्वेत छात्र की हत्या के मामले में ब्रिटेन के रवैये की आलोचना की। उन्होंने इसे प्रवासियों की घुसपैठ के कारण सभ्यता के पतन का नतीजा बताया।

18 साल के हेनरी नोवाक मामले पर वेंस की टिप्पणियों की ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के कार्यालय की तुरंत निंदा की और 'लोकतंत्र में दखल' देने की कोशिशों का खारिज कर दिया। वेंस ने एक्स पर लिखा, हेनरी नोवाक की मौत वैसे ही हुई जैसे किसी सभ्यता की मौत होती है। अधिकारियों द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया गया, हथकड़ी पहनाई गई, जिन्होंने न तो उस पर भरोसा किया और न ही उसकी परवाह की। और उस पर ऐसे नफरत भरे अपराधों का आरोप लगाया गया जो उसने किए ही नहीं थे। उसकी हत्या जितनी दुखद है, उतनी ही गुस्सा दिलाने वाली भी है।

साउथैम्पट शहर में दिसंबर में विक्रम डिगवा द्वारा चाकू मारे जाने

के बाद मौत से जूझते नोवाक को पुलिस ने हथकड़ी पहना दी थी। यह मामला दुनिया भर में दक्षिणपंथी गुस्से का केंद्र बन गया और इसने ब्रिटेन में दंगे भड़का दिए।

23 साल के डिगवा ने झूठ बोला और पुलिस को कहा वह पीड़ित है और नोवाक ने नस्लीय आधार पर उसका अपमान किया था।

अरबपति कारोबारी एलन मस्क, जो वेंस के दोस्त भी हैं, उन्होंने चाकू मारने की घटना पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में कई बार एक्स पर पोस्ट किया है। इसके बाद गुरुवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी और विचारधारा आधारित सोच और दोहरे स्तर की पुलिसिंग की निंदा की, जिसके कारण यह घटना हुई।

‘भारत पर प्रतिबंध लगाने वाले खुद भुगतेंगे अंजाम’

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति का पुरजोर समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की कोई भी धमकी तुरंत उल्टा असर करने वाली साबित होगी। वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) में बोलते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में काम करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों का कोई भी संभावित खतरा तुरंत बूमरैंग साबित होगा। हम लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी के साथ करीबी बातचीत कर रहे हैं। जहां तक मैं समझता हूं, सभी प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है और अमेरिका तथा भारत के बीच संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र है जिन्हें वह सबसे आधुनिक और अपने लिए सबसे उपयुक्त मानता है। भारत हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही फैसले लेता है।

रूसी राष्ट्रपति ने साफ किया कि भारत के साथ क्रेमलिन का सहयोग किसी भी तरह के राजनीतिक माहौल के अधीन नहीं है और मॉस्को भारत जैसे अपने भरोसेमंद भागीदारों को दी गई प्रतिबद्धताओं पर हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारा सहयोग, हमारे बाकी सभी भागीदारों की तरह, राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता है। कोई हमें यह निर्देश नहीं दे सकता कि हम भारत को क्या आपूर्ति करें और क्या नहीं।

डील : 5 साल में 671 करोड़ चुकाएगी कंपनी, देश में कॉमर्शियल प्रॉपर्टी की डिमांड बढ़ी

गूगल ने गुरुग्राम में 6.17 लाख स्क्वायर-फीट ऑफिस स्पेस खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी

गूगल इंडिया ने गुरुग्राम के 'एट्रियम प्लेस' में करीब 6.17 लाख स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया है। प्रॉपस्टैक के ट्रांजैक्शन डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, गूगल इस जगह के लिए अगले 5 साल में कुल 671 करोड़ रुपए का किराया चुकाएगी। यह फ्रेश लीज डील ऐसे समय में हुई है जब देश के ग्रेड ए कॉमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर की डिमांड में भारी तेजी देखी जा रही है।

गूगल ने गुरुग्राम के एट्रियम प्लेस के 'टावर 1' में कुल 6,17,448 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस रेंट पर लिया है। एट्रियम प्लेस डीएलएफ (DLF) और हाइन्स का एक जॉइंट वेंचर है। इस एग्रीमेंट के तहत गूगल 171 प्रति स्क्वायर फीट की लीज रेट से हर महीने लगभग 10.55 करोड़ रुपए का रेंट चुकाएगी। इसके साथ ही कंपनी ने 63.65 करोड़ रुपए बतौर सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा किए हैं। अप्रैल 2026 में रजिस्टर्ड हुए इन डॉक्युमेंट्स के अनुसार, इस लीज में हर तीन साल में किराए में 15% की बढ़ोतरी का नियम भी शामिल है। यह नई लीज 1 अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुकी है, जो कॉमर्शियल टावर के दूसरे फ्लोर से लेकर 16वें फ्लोर तक के हिस्से को कवर करती है। भारत के ऑफिस लीज मार्केट को आगे बढ़ाने में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) की सबसे बड़ी भूमिका है। जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही के दौरान भारत में कुल 20.7 मिलियन स्क्वायर फीट (msf) ऑफिस स्पेस लीज पर लिया गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर की दिग्गज कंपनियां अब 130 प्रति स्क्वायर फीट से ज्यादा के रेट पर लॉन्ग-टर्म और हाई-वैल्यू लीज एग्रीमेंट साइन कर रही हैं। यह इस बात का साफ संकेत है कि देश में ग्रेड ए कॉमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बेहद मजबूत बनी हुई है।

पिछले साल भी गूगल ने की थी 2 बड़ी लीज डील्स

गूगल लगातार भारत में अपना ऑफिस स्पेस बढ़ा रहा है। इस फ्रेश लीज से पहले साल 2025 में भी कंपनी ने मैनेज्ड वर्कस्पेस प्रोवाइडर 'टेबलस्पेस' से 5,50,000 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया था। इतना ही नहीं, साल 2025 में ही गूगल ने ईस्ट बेंगलुरु के डोडदानेकुंडी में अपने करीब 8,70,000 स्क्वायर फीट के ऑफिस स्पेस की लीज को रिन्यू भी किया था, जिसके लिए कंपनी सालाना 90 करोड़ रुपए का रेंट कमिटमेंट दे रही है।

गुरुग्राम में डीएलएफ एसेट्स की मांग तेज

यह डील ऐसे समय पर सामने आई है जब गुरुग्राम में डीएलएफ के कॉमर्शियल एसेट्स की मांग में तगड़ा उछाल आया है। पिछले हफ्ते ही एयरबीएनबी ने अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) के लिए गुरुग्राम के डीएलएफ साइबर सिटी में 46,437 स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस 5 साल के लिए लीज पर लिया है। एयरबीएनबी इसके लिए करीब 61.53 लाख रुपए का शुरुआती मंथली रेंट चुका रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676